दैनिक जागरण

वाराणसी, सोमवार
28 अक्टूबर 2019
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 16

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

आरबीआइ ने नहीं बेचा कोई सोना, रिपोर्ट को बताया गलत 13

दबंग 3 के लिए सलमान ने सुझाया 'मुन्ना बदनाम हुआ' गाना 15

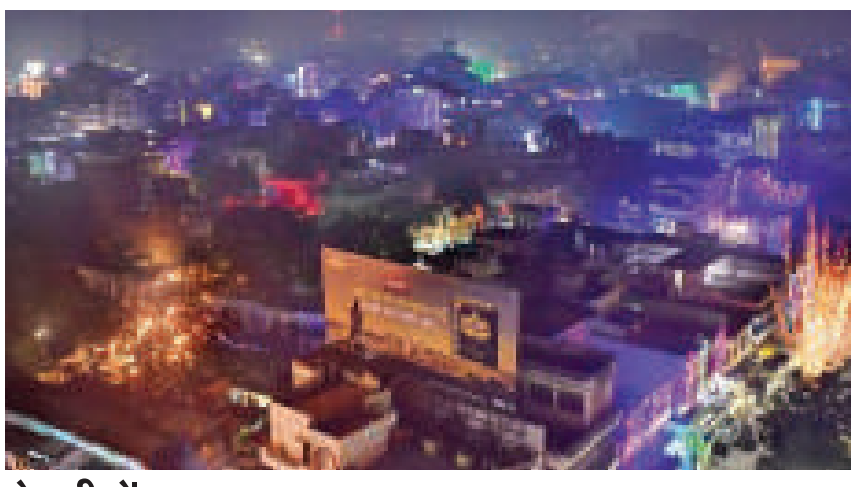

दीपावली अवकाश की सूचना

दीपावली के उपलक्ष्य में दैनिक जागरण कार्यालय में आज दिनांक 28.10.2019 को अवकाश रहेगा, अतः अखबार का अगला अंक एक दिन बाद बुधवार, 30.10.2019 को प्रकाशित होगा। -प्रकाशक

सरोकार

स्वरोजगार' की नींव पर खड़ी की उम्मीदों की इमारत

नारी सशक्तीकरण

आजमगढ़ : कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो उछालो यारों। इन पंक्तियों को रीता ने आत्मसात किया है। ठेकमा विकास खंड के बरदह की निवासी रीता जायसवाल के पति राजू जायसवाल लोहा कारोबारियों से जुड़े थे। लेकिन अपेक्षा के अनुरूप तनख्वाह नहीं मिलती थी। ● पेज 11

अंदर पढ़ें

नए जिलाध्यक्षों के जरिये जातीय समीकरण साधेगी भाजपा

लखनऊ : भाजपा का संगठनात्मक चुनाव इस समय चल रहा है। पहली बार बूथ स्तरीय कमेटियों के गठन बाद मंडलों की समिति गठित करने में भाजपा जुटी है। तीसरे चरण में अब भाजपा की संगठनात्मक 98 जिला इकाइयों के अध्यक्ष निर्वाचित होने हैं। ● पेज 13

जागरण विशेष

मैं ऐतिहासिक गोवर्धन नाथ जू मेला हूं...

महोबा : मैं ऐतिहासिक गोवर्धन नाथ जू मेला हूं। वर्ष 1883 में चरखारी के राजा सर मलखान सिंह जूदेव ने मेरी शुरुआत की थी। माह भर तक चलने वाले इस मेले में कत्कारियों व मौनियों की भीड़ उमड़ती है। यहां 108 कृष्ण मंदिरों को देखकर जुबां से बरबस ही निकल पड़ता है–इतै भीर भई भारी वृंदावन हुई चरखारी। ● पेज 13

jagran.com वेबसाइट पर पढ़ें

यहां छप्पर फाड़ बरस रहीं लक्ष्मी, वहां कंगाली का बसेरा, जानें किधर जा रही दुनिया पढ़ें

रोशनी में नहाया बनारस...

दीपावली पर आतिशबाजी से आसमान पूनम की रात की तरह रोशन हो उठा। शाम होते ही घर-आंगन और बाजार रोशनी से दमक उठे। आतिशबाजी व पटाखे फोड़ने का शुरू हुआ दौर देर रात तक चला। बहुमंजिली इमारतों पर झालरों से की गई सजावट और उस पर हो रही रोशनी सतरंगी छटा बिखेर रही थी ● नवनीतरत्न पाठक दीपोत्सव>>पेज-6

मोबाइल से पता चलेगी मिट्टी की उर्वरा शक्ति

जागरण संवाददाता, कानपुर: केमिकल के इस्तेमाल से खेतों की खराब हालत में सुधार होने की आस जगी है। उसमें किस पोषण तत्व की कमी या अधिकता है, इसका पता चल जाएगा। मोबाइल पर इसकी जानकारी मिलने पर मृदा सुधार में मदद मिलेगी। यह सब आइआइटी, उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण और कृषि विभाग के सहयोग से होगा।

आइआइटी के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के विशेषज्ञों ने ऐसा उपकरण तैयार किया है जिसे मोबाइल से जोड़ने पर मिट्टी की गुणवत्ता का पता लग जाएगा। मोबाइल की स्क्रीन पर पोषण और सूक्ष्म तत्वों की रिपोर्ट आ जाएगी। उसी के आधार पर किसान खेतों में सोडियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम व आयरन समेत अन्य पोषक तत्वों का छिड़काव कर सकेंगे।

खट्टर दोबारा बने सीएम, दुष्यंत डिप्टी

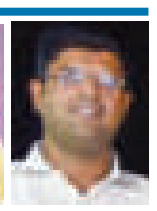

जेएनएन, चंडीगढ़: मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के नेता दुष्यंत चौटाला ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही राज्य में भाजपा-जजपा की सरकार ने कमान संभाल ली। राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने राजभवन में दोनों नेताओं को पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई। मंत्रिमंडल का विस्तार अगले कुछ दिनों में होने की संभावना है।

भारतीय जनता पार्टी इस बार राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में बहुमत से कुछ सीटें दूर रह गई थी। राज्य में सरकार बनाने के लिए जननायक जनता पार्टी के साथ शुक्रवार को दोनों पार्टियों में समझौता हुआ था। 90 सदस्यीय विधानसभा में सरकार बनाने के लिए किसी भी दल अथवा गठबंधन के पास 46 सदस्य अनिवार्य हैं। रविवार को हुए संक्षिप्त शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, पंजाब के गवर्नर वीपी सिंह बदनौर, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, रतनलाल कटारिया, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखवीर सिंह बादल, दुष्यंत चौटाला के पिता अजय चौटाला के अलावा मां नैना देवी भी मौजूद थीं। वह दूसरी बार विधायक चुनी गई हैं।

राजभवन में हुए समारोह में दोनों ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

मनोहर लाल खट्टर

दुष्यंत चौटाला

प्रधानमंत्री मोदी ने खट्टर व दुष्यंत चौटाला को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को बधाई दी है। उन्होंने एक ट्वीट कर कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को शपथ लेने की बधाई। हरियाणा की जनता की आकांक्षाओं पर दोनों नेता खरा उतरे, इसके लिए शुभकामना।

संबंधित खबरें पेज>>15

अयोध्या मामले में हाईकोर्ट के फैसले के वक्त देश ने परिपक्व भूमिका निभाई

पीएम मोदी ने कहा–समाज में खाई पैदा करने के मंसूबों को नाकाम कर दिया गया था

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि वर्ष 2010 में जब इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अयोध्या की विवादित भूमि मामले में फैसला सुनाया था, तब सरकार, राजनीतिक दलों और समाज ने बेहद परिपक्व भूमिका निभाई थी। समाज में खाई पैदा करने के मंसूबों को नाकाम कर दिया था। ये बातें हमेशा याद रखनी चाहिए। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट नवंबर के मध्य में किसी समय अयोध्या मामले पर फैसला सुना सकता है। इससे पहले प्रधानमंत्री का यह बयान राजनीतिक दलों, धार्मिक संगठनों और समाज के विभिन्न वर्गों के लिए एक नसीहत, एक अपील के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात के जरिए देश की जनता से मुखातिब थे। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के दौर को याद करते हुए कहा-यह इस बात की मिसाल है कि कैसे एकजुट स्वर से देश को मजबूत किया जा सकता है। देश के लोग अपनी याददाश्त पर जोर डालें और याद करें कि सितंबर 2010 में अयोध्या मामले पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले से पहले क्या स्थिति थी। उन्होंने खुद कहा-मुझे याद है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सितंबर-2010 में राम जन्मभूमि मामले में फैसला सुनाया था। आप अपनी याददाश्त पर जोर डालकर याद करें कि उस वक्त हालात कैसे थे। हर तबके के लोगों ने मोर्चा संभाला। कई समूह अपने-अपने तरीके से हालात का फायदा उठाने का प्रयास कर रहे थे। वह तनाव पैदा करने के लिए परिस्थितियों का अपने-अपने तरीके से फायदा उठाने के लिए खेल खेल रहे थे। माहौल में गर्माहट पैदा करने के लिए किस-किस प्रकार की भाषा बोली जा रही थी। भिन्न-भिन्न स्वरों में तीखापन भरने का भी प्रयास होता था। कुछ बयानबाजों और बड़बोलों ने सिर्फ और सिर्फ खुद को चमकाने के इरादे से न जाने क्या-क्या बोल दिया था, कैसी-कैसी गैर जिम्मेदाराना बातें की थी, हमें सब याद है। लेकिन ये सब पांच से दस दिन तक ही चला। जैसे ही हाईकोर्ट का फैसला आया, एक आनंद दायक, आश्चर्यजनक बदलाव देश ने महसूस किया। एक तरफ दो हफ्ते तक गर्माहट के लिए सब कुछ हुआ था। लेकिन जब राम जन्मभूमि पर फैसला आया तब सरकार, राजनैतिक, सामाजिक संगठनों, साधु-संतों ने बहुत ही संतुलित और संयमित बयान दिए। माहौल से तनाव कम करने का प्रयास किया।

प्रधानमंत्री ने कहा-मैं जब भी उन दिनों को याद करता हूं तो मन को खुशी होती है। न्यायपालिका की गरिमा को बहुत ही गौरवपूर्ण रूप से सम्मान दिया गया और कहीं पर भी गर्माहट का, तनाव का माहौल नहीं बनने दिया गया।

याद रखें सितंबर 2010

- माहौल में गर्माहट पैदा करने के लिए तरह-तरह भाषा बोली जा रही थी
- हर तबके ने मोर्चा संभाला और तनाव कम करने का प्रयास किया

मन की बात

प्रधानमंत्री ने जवानों के साथ मनाई दिवाली

जवानों के साथ दिवाली मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को राजौरी पहुंचे। यहां उन्होंने जवानों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान जवानों से हाथ मिलाते हुए प्रधानमंत्री ● प्रेट्र संबंधित खबरें पेज>>15

आइएस का सरगना बगदादी मारा गया

वाशिंगटन, प्रेट्र : कुख्यात आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) का सरगना अबु बकर अल-बगदादी शनिवार को उत्तर पश्चिम सीरिया में अमेरिकी विशेष खुफिया बलों की कार्रवाई में मारा गया।

रविवार को यह एलान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा-क्रूर इस्लामिक स्टेट का सरगना और दुनिया का नंबर वन आतंकी सरगना बगदादी कुत्ते और कायर की मौत मारा गया। व्हाइट हाउस में रविवार को ट्रंप ने कहा-अमेरिकी के-9 डॉग्स यानी खोजी कुत्तों ने आइएसआइएस सरगना बगदादी को अंततः खोज निकाला। वह एक सुरंग में तीन बच्चों के साथ छुपा हुआ था। उसके पास खुद को उड़ाने के लिए कोई विकल्प नहीं बचा था। ट्रंप ने कहा-बीती रात एक क्रूर हत्यारे का सफाया हो गया। अमेरिकी विशेष बल ने रात में बेहद साहसिक तरीके से कार्रवाई को अंजाम दिया। अपने जीवन के अंतिम क्षणों में चीखा-चिल्लाया और अंत में अपनी आत्मघाती जैकेट में विस्फोट कर दिया, जिससे उसके शरीर के चीथड़े उड़ गए। डीएनए जांच में उसकी पहचान की पुष्टि हो गई। उसकी दो पत्नियां भी मारी गई हैं।

संबंधित खबर पेज>>16

सीबीआइ की तेजी से आयोग कर्मी बेचैन

राज्य ब्यूरो, प्रयागराज: उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग में सीबीआइ कई बार आ चुकी है। अलग-अलग अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ भी कई बार हुई है, लेकिन इस बार की स्थिति जुदा है। सीबीआइ का रुख पहले से सख्त व कार्रवाई तेज है। पहली बार पूछताछ के लिए आयोग के पूर्व सचिव व पूर्व परीक्षा नियंत्रक को बुलाया गया। पूर्व परीक्षा नियंत्रक से पांच दिन तक कड़ी पूछताछ की गई। उन्होंने परीक्षा में गड़बड़ी होने से किनारा किया तो सीबीआइ ने उनके सामने सुबूत पेश कर दिया। सीबीआइ की तेजी से साफ है कि वह जल्द कोई बड़ी कार्रवाई कर सकती है। इससे आयोग के मौजूदा अधिकारी व कर्मचारियों की नींद उड़ी है। हर किसी को भय सता रहा है कि कहीं वह सीबीआइ के निशाने पर न आ जाए।

सीबीआइ लोकसेवा आयोग द्वारा 2012 से 2017 तक कराई गई परीक्षाओं व जारी किए गए परिणामों की जांच कर रही है। इसके मद्देनजर तकरीबन 550 से अधिक भर्ती परीक्षाओं व परिणामों की जांच होनी है, लेकिन सीबीआइ की अभी तक की कार्रवाई काफी सुस्त रही। मई 2018 में अज्ञात के नाम एफआइआर दर्ज करने के बाद जांच धीमी होती गई। सीबीआइ की लचर कार्यप्रणाली से नाराज होकर प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के प्रवक्ता अवनीश पांडेय ने समयबद्ध जांच के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। इसके बाद सीबीआइ की कार्रवाई अचानक तेज हो गई। पूर्व सचिव व पूर्व परीक्षा नियंत्रक से सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा-2010,11,14 व 15, उत्तर प्रदेश न्यायिक सिविल जज परीक्षा 2013, अवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2006, 2009, 2013 व विशेष चयन 2004, 2006, 2008, समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी 2010 परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर पूछताछ की गई।

THE SIMLA'S
ASHOK
GROUP
शुभ दीपावली
रौशन कर हर घर
जले दीप सच्चाई का
पान पारस कायम TM
पान मसाला
स्वाद में सच्चाई...
चाँदी एवं केसर युक्त
Introductory Offer
Combo Pack
₹3/- 2.50/-

वाराणसी जागरण
www.jagran.com
दैनिक जागरण
वाराणसी, 28 अक्टूबर 2019

॥ प्रोग्राम ॥

खेल प्रतियोगिता
आदर्श नव युवक विकास समिति की ओर से खेलकूद प्रतियोगिता गंज मोहल्ला, सारनाथ में सुबह 11 बजे।

शोभायात्रा
गोवर्धन पूजा समिति की ओर से शोभायात्रा हथुआ मार्केट से सुबह 11 बजे।

कुश्ती दंगल
विराट कुश्ती दंगल धरसौना बाजार, चोलापुर में सुबह 12 बजे।

दीपावली मिलन
मारवाड़ी युवक संघ व मारवाड़ी महिला संगठन का दीपावली मिलन समारोह मारवाड़ी भवन, लक्सा पर शाम 5 बजे।

दीपोत्सव
संत कंवर राम सिंधी युवा समिति की ओर से दीपोत्सव कार्यक्रम, लक्सा स्थित झुलेलाल मंदिर परिसर में शाम 5.45 बजे।

देवी जागरण
एनईआर यूथ क्लब की ओर से मां काली पूजा में देवी जागरण व झांकी पूर्वोत्तर रेलवे प्रेक्षागृह प्रांगण में रात 8 बजे।

29 अक्टूबर

पूजनोत्सव
अखिल भारतीय कायस्थ महासभा-फुलवरिया की ओर से भगवान चित्रगुप्त पूजनोत्सव, वरुणापुरी कालोनी गेट नंबर पांच-गली नंबर दो में सुबह 10 बजे।

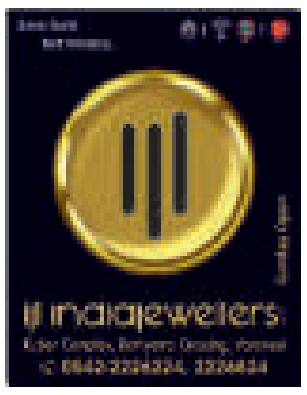

शोभायात्रा
अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की ओर से भगवान चित्रगुप्त की शोभायात्रा टाउनहाल से तीसरे प्रहर 3 बजे।

पिछले कई दिनों से चल रहीं दीपोत्सव की तैयारियां रविवार शाम होते ही रोशनी में सिमट आईं। दिन ढलते ही घर-आंगन में दीपों, मोमबत्तियों और बिजली की झालरों की रोशनी बिखर गई। आतिशबाजी का ऐसा दौर शुरू हुआ कि आसमां भी रोशन हो उठा। ● उत्तम राय चौधरी

84 पंपों से हो रही 84 घाटों की सफाई

कवायद

- **प्राथमिकता के आधार पर प्रमुख घाटों की नगर निगम करा रहा सफाई**
- **नगर आयुक्त का दावा, छठ पर्व से पहले गंगा घाट हो जाएंगे तैयार**

जासं, वाराणसी : बाढ़ के बाद गंगा घाटों पर मिट्टी जम गई है। नगर के प्रमुख घाट दशाश्वमेध, आरपी घाट, मणिकर्णिका घाट, अस्सी घाट सहित राजघाट, खिड़किया घाट, सामनेघाट आदि पर बाढ़ का सिल्ट जमा है। इसकी सफाई के लिए नगर निगम ने कवायद शुरू कर दी है। प्रारंभ में घाट की सफाई के लिए 64 पंप लगाए गए थे जिसकी संख्या नगर आयुक्त गौरांग राठी के आदेश पर बढ़ाकर 84 कर दी गई है।

सुबह से देर रात तक घाटों की मिट्टी हटाई जा रही है। नगर आयुक्त का दावा है कि छठ पूजा से पहले गंगा के सभी 84 घाटों की मिट्टी हटा दी जाएगी। देव दीपावली पर सभी घाट दीपों से जगमगा जाते हैं। इसलिए उससे पहले घाट की सफाई मुकम्मल करने का लक्ष्य रखा गया है। नगर आयुक्त के आदेश पर दीपावली, भइयादूज व छठ पर्व के मद्देनजर नगर निगम कंट्रोल रूम को अति सक्रिय कर दिया है। इसमें दूरभाष संख्या 0542-2221999 के माध्यम से प्राप्त सफाई, मलबे का उठान, दूषित पेयजल तथा सीवर जाम से संबंधित शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण कराया जाना है। नगर निगम कंट्रोल रूम में तैनात कम्प्यूटर आपरेटर व लिपिक द्वारा शिकायतों को कम्प्यूटराइज्ड करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को दूरभाष संख्या 0542- 2221999 के माध्यम से शिकायत को अवगत कराया जाएगा। संबंधित विभागीय अधिकारी समयान्तर्गत शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करेंगे। नगर आयुक्त ने मातहतों को चेताया है कि किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लाइट मेट्रो संचालन का खाका तैयार

प्रेजेंटेशन में सुझाए गए बिंदुओं को नए प्रस्ताव में किया जा रहा शामिल

राइट्स का प्रस्ताव

- मुकम्मल प्रस्ताव बनने के बाद दोबारा होगा प्रजेंटेशन, फिर कैबिनेट में पेश
- इस बार कम खर्च में ज्यादा इनकम वाला तैयार किया गया है प्लान

सुझाव के सापेक्ष प्रारंभिक प्रस्ताव

20	हजार करोड़ पहले थी लागत
07	हजार करोड़ लागत इस बार
24.5	किलोमीटर होगी मेट्रो लाइन
04	डिब्बे अधिकतम रहेंगे ट्रेन में
02	की बजाए अब एक कॉरिडोर बनेगा

मिले हैं ये सुझाव

- शहर में वाहनों का कितना है घनत्व
- मेट्रो संचालन कितना होगा कारगर
- मेट्रो लाइन के दोनों ओर लास्ट माइल कनेक्टविटी
- लागत से 50 फीसदी कम किया जाएगा खर्च
- शहर के बाहरी इलाकों में संचालन की संभावना
- छोटी बोगी व छोटे पिलर का प्लान

जासं, वाराणसी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी में सघन आबादी व संकरी गलियों के मद्देनजर अब लाइट मेट्रो संचालन की तैयारी हो चुकी है। इस कार्य के लिए सर्वे व डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने वाली संस्था रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस (राइट्स) ने हर संभावनों को तलाश कर लाइट मेट्रो को हरी झंडी दे दी है। अब स्मार्ट सिटी वाराणसी में अर्बन ट्रांसपोर्ट को लेकर लाइन मेट्रो के प्रस्ताव का प्रेजेंटेशन लखनऊ में होना शेष है। वहां से सहमति मिलने पर फाइनल डीपीआर बनाकर कैबिनेट में पेश किया जाएगा जहां संस्तुति मिलने के बाद केंद्र सरकार को मुकम्मल प्रस्ताव भेजा जाएगा।

केंद्र सरकार के तकनीकी विशेषज्ञ व्यय व आय का आकलन कर प्रस्ताव के निर्धारित बजट के सापेक्ष बजट पास किया जाएगा। लाइन मेट्रो के प्रस्ताव को लेकर बीते दिनों राइट्स की तीन सदस्यीय टीम ने कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान का प्रेजेंटेशन दिया था लेकिन अफसरों ने कुछ नए बिन्दुओं को शामिल कर संशोधित प्लान बनाने को कहा है। इसमें शहर में लाइट मेट्रो संचालन के साथ ही रोड व वाटर बेस्ड प्लान बनाने को कहा गया। संशोधित मोबिलिटी प्लान स्वीकृत होने के बाद डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनेगी। अफसरों के मुताबिक केंद्र सरकार की मेट्रो संचालन नीति-2017 के हिसाब से ही डीपीआर बनेगी। काशी में मेट्रो चलाने के लिए इस बार कम खर्च और ज्यादा इनकम वाला प्लान तैयार किया गया है। पिछली बार से लागत आधी कर दी गई है।

लागत अधिक, आय कम, लगा ब्रेक
शहर में मेट्रो संचालन को 2015 में पहली बार जब सर्वे हुआ था। उसमें खर्च ज्यादा और इनकम कम दिख रही थी। वहीं केंद्र सरकार ने मेट्रो संचालन संबंधी नई नीति तैयार की। दोनों कारण से प्रोजेक्ट अधर में लटक गया। एक कारण यह भी था कि फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट रिटर्न रेशियो आठ फीसदी से कम होने पर तकनीकी सवाल खड़ा हो गया था।

शिवपुर से गंगा घाट तक कनेक्शन
काशी के आधा दर्जन घाटों को भी मेट्रो सेवा से जोड़ने के लिए सर्वे किया गया है। रोजाना बड़ी आबादी के आवागमन को देखते हुए राइट्स ने इसकी भी पड़ताल की है। काशी स्टेशन पर प्रस्तावित इंटर मॉडल स्टेशन से भी मेट्रो को जोड़ने के लिए सर्वे किया गया है। सामने घाट में भी स्टेशन और टर्मिनल बनाने का प्रस्ताव है।

दोबारा जगी उम्मीद : संचालन के लिए कैबिनेट के 'यूपी मेट्रो रेल कार्पोरेशन' नाम से अलग 'एकल विशेष प्रयोजन साधन' (सिंगल स्पेशल परपज व्हीकल-एसपीवी) के गठन के फैसले से वाराणसी में मेट्रो संचालन की उम्मीद जगी है। काशी में लाइट मेट्रो चलाने को लेकर सर्वे करने वाली संस्था राइट्स ने डीपीआर का प्रजेंटेशन तैयार किया है।

अंग्रेजों के जमाने का कर दिया फर्जीवाड़ा

जमीन का मामला

- **दस्तावेजों में ज्यादातर फर्जी हुआ है 1374 फसली वर्ष के पहले**
- **घाट की नजूल जमीन के तथ्य खोजने में प्रशासन के छूट गए पसीने**

जासं, वाराणसी : शहर में बढ़ती जमीन की कीमतों की वजह से पिछले चार दशक में बड़े पैमाने पर राजस्व और नगर निगम के कर्मचारियों की मिलीभगत से फर्जीवाड़ा किया गया। इसमें बहुत से मामले जिनका खुलासा हुआ उसमें देखने में आया कि अधिकतर फर्जी दस्तावेज जो तैयार हुए वे करीब 1374 फसली वर्ष (सन 1965) के पहले की फर्जी वसीयत के आधार पर हुए थे। मणिकर्णिकाघाट की नजूल भूमि के लिए दस्तावेजों में जो छेड़छाड़ की गई उसमें 1374 फसली को नजरअंदाज करते हुए अंग्रेजों के जमाने के फर्जी दस्तावेज और कूट रचना कर दी गई। इस प्रकार फर्जीवाड़ा करने वालों ने शक होने की सभी संभावना को समाप्त करने का प्रयास किया था।

राजस्व से जुड़े कर्मियों और अधिवक्ताओं का कहना है कि जिले के जो दस्तावेज तहसील और कलेक्ट्रेट के अभिलेखागार में हैं उसमें सैकड़ों ग्रामसभाओं की हजारों जमीनों के दस्तावेज 1374 फसली के पहले के या तो गायब हो गए हैं या फिर फाड़ दिए गए हैं। इस कारण लोगों ने जो फर्जीवाड़ा उसके पहले के दस्तावेजों में किया गया है जिसके मूल ही सही सलामत नहीं हैं। प्रभारी जिलाधिकारी व नगर आयुक्त गौरांग राठी द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेज स्पष्ट रूप से बता रहे हैं कि मणिकर्णिकाघाट की जिस जमीन में जो फर्जीवाड़ा किया गया उसकी शुरुआत सन 1914 से हुई। साथ ही सारे फर्जीवाड़े के कार्य अंग्रेजों के 15 अगस्त 1947 में देश छोड़ने के ठीक एक वर्ष पहले 14 अगस्त 1946 को ही पूरे कर लिए गए। 22 मई 1914 को रघुनाथ सिंह पुत्र बाबू विश्वनाथ सिंह के पक्ष में नजूल गाटा संख्या 6600 व 8378 की भूमि आवासीय प्रयोजन के लिए लीज डीड तैयार की गई। इसी जमीन की 27 जून 1946 को दाखिल खारिज के लिए दो प्रविष्टियां की गईं। बाद में 14 अगस्त 1946 को डीएम के हस्ताक्षर की ओवरराइटिंग कर अंतिम आदेश जारी कर दिया गया। ये सभी तिथियां अंग्रेजों के जमाने की हैं। सभी को खोजने और मिलान आदि करने में राजस्व टीम के पसीने छूट गए।

फर्जीवाड़े में भूल गए नियमों को : नजूल अधिकारी के आदेश से स्पष्ट है कि फर्जीवाड़ा करने वाले नियम-कानून ही भूल गए। जो कुछ किया उस संबंध में न ही ऐसी कोई पत्रावली लगाई जो प्रविष्टियों के सत्यता को स्थापित करती हों। साथ ही वरासत के आधार पर दाखिल-खारिज किया जाना विधि विरुद्ध है क्योंकि नजूल सम्पत्ति गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट 1895 से प्रबंधित होती थी। नजूल सम्पत्तियों पर सम्पत्ति अंतर अधिनियम 1882 के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

मणिकर्णिका घाट की रामलीला स्थगित

जासं, वाराणसी : बाबा दरबार से गंगा तट तक बनाए जा रहे कारिडोर के लिए भवन खाली कराए जाने के विरोध में मणिकर्णिकाघाट की रामलीला दूसरे दिन रविवार को भी स्थगित रही। लीला समिति ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक अफसरों से वार्ता के बाद ही लीला मंचन के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। शनिवार को क्षेत्र स्थित एक भवन को नगर निगम की संपत्ति बताते हुए प्रशासन खाली कराने पहुंचा था। पुलिस बल उतारते ही लकड़ी कारोबारियों ने विरोध में बिक्री बंद कर दी जिससे शवदाह तो बाधित हुआ ही घाट पर आयोजित रामलीला भी स्थगित कर दी गई थी।

पटाखे से झुलसा युवक बालक भी जला

जासं, वाराणसी : आतिशबाजी करते समय रविवार की रात एक बालक व एक युवक पटाखे से झुलस गए। उन्हें मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिवपुर निवासी अनुज कुमार (32 वर्ष) व काशी विद्यापीठ क्षेत्र के रहने वाले अमित (8 वर्ष) रात में पटाखे जला रहे थे। इसी दौरान दोनों झुलस गए।

रोडवेज परिसर के अंदर डग्गामारी-जासं, वाराणसी: कैंट स्थित रोडवेज बस स्टैंड परिसर में रविवार को डग्गामारी का फिर से सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया। सुबह 8.30 बजे प्लेटफार्म नंबर चार पर एक लक्जरी बस पर उसका कर्मचारी सवारी बैठा रहा था। सिगरा पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर बस को सीज कर दिया।

मुंबई-दिल्ली की तर्ज पर होगी वाराणसी एयरपोर्ट की सुरक्षा

- **इन-लाइन लगेज एक्स-रे लगाने की तैयारी, ट्रेनिंग पर भेजे गए कर्मचारी**
- **22 बैग एक मिनट में जांचेगी मशीन, अभेद्य होगी सुरक्षा व्यवस्था**
- **आधा दर्जन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर पहले से है यह व्यवस्था लागू**

जागरण संवाददाता, बाबतपुर : वाराणसी एयरपोर्ट की सुरक्षा दिल्ली-मुबई के हवाई अड्डों के मुकाबिल होगी। यात्रियों के लगेज चेक करने को इन-लाइन एक्सरे मशीन लगाई जाएगी। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है। 45 सुरक्षाकर्मियों को ट्रेनिंग पर भेजा गया है, जो लौटने के बाद मोर्चा संभालेंगे।

यात्रियों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत अभेद्य की जा रही सुरक्षा : वाराणसी एयरपोर्ट पर ट्रैफिक बढ़ी है। यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ते हुए लाखों में जा पहुंची है। यही वजह है कि नागरिक विमानन ब्यूरो प्रशासन के मन में सुरक्षा बंदोबस्त को लेकर चिंता की बढ़ी है।

> इन लाइन लगेज एक्सरे सिस्टम लगाने की तैयारी चल रही है। इससे यात्रियों का समय बचेगा। सबकुछ ठीक रहा तो वर्ष के अंत सुरक्षा रणनीति जमीन पर उतर जाएगी।
> **-आकाशदीप,** निदेशक वाराणसी एयरपोर्ट

एक मिनट में 22 बैग चेक होंगे, समय की होगी बचत : यात्रियों को अभी तक लगेज लाइन लगाकर चेक कराना पड़ता है। नई मशीन एक मिनट में 22 बैग चेक कर पाएगी। एक्सरे मशीन बैग में पड़े प्रतिबंधित व विस्फोटक को पकड़ लेगी। मशीन के संकेत देने पर बैग को यात्री के सामने खोला जाएगा। प्रतिबंधित सामान निकलने पर आरोपित के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

वाराणसी एयरपोर्ट फाइल फोटो

चार चरणों मे होगी जांच

यात्रियों के लगेज की जांच मशीन चार चरणों में होगी। हालांकि, इसमें यात्रियों को कुछ नहीं करना है। पहले लेवल में हाईस्पीड जांच कंप्यूटर और एक्सरे मशीन करेगी। उसके बाद के तरल पदार्थ, पावर बैंक या संवेदनशील पदार्थ की जांच होगी। डाग स्क्वायड दस्ता मौजूद रहेगा। मसलन, सिस्टम ऐसा होगा कि, प्रतिबंधित सामान की इंट्री का लेवल शून्य पर जा टिके।

दालमंडी में बर्तन की दुकान में लगी आग
जासं, वाराणसी : चौक थाना क्षेत्र के दालमंडी इलाके में रविवार शाम शमशेर पहलवान के कटरा में बर्तन की दुकान में आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही सीओ दशाश्वमेध प्रीति त्रिपाठी समेत आसपास के थानों की फोर्स के साथ अग्निशमन विभाग का बाइक दस्ता पहुंचा। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

एयर क्वालिटी इंडेक्स
वाराणसी

आज का अनुमान	195	खराब
रविवार	162	खराब
0-50		सामान्य
51-100		मध्यम
101-200		खराब
201 से अधिक		बेहद खराब

नोट : पार्टिकुलेट मैटर (पीएम-प्रदूषक तत्व) माइक्रोग्राम क्यूबिक मीटर में। सामान्य स्तर 50 निर्धारित है।

लंका में फिर चेन स्नेचिंग

जासं, वाराणसी : लंका क्षेत्र में आजकल पुलिस से ज्यादा बाइक लेकर चेन स्नेचर दौड़ रहे हैं। महिलाओं का आभूषण पहनकर निकलना दूभर हो गया है। कब, किसकी, कहां चेन छीन जाए कोई ठीक नहीं। बाजार हो या फिर सुबह-शाम की टहलान महिलाएं सुरक्षित नहीं। एक सप्ताह में चेन स्नेचिंग के तीन मामले थाने तक पहुंचे हैं। रविवार को सामने घाट शिवाजी नगर कॉलोनी में रहने वाली स्मृता सिंह शाम अपने घर के बाहर टहल रही थीं। इस दौरान बाइक सवार दो लड़के पहुंचे और उनसे रास्ता पूछने लगे। वह रास्ता समझा ही रही थी कि अचानक बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चेन नोंच ली। स्मृता शोर मचाते हुए पीछे दौड़ीं लेकिन बदमाश सेकेंड में आंखों से ओझल हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन और पूछताछ का कोरम पूरा कर चली गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि मुरारी चौक पर फैंटम के जवान भी रहते हैं जहाँ से 300 मीटर दूरी पर शिवाजी नगर कॉलोनी में घुसकर लुटरों ने घटना को अंजाम दिया ।

चौकाघाट | हादसे के बाद भी पुलिस-प्रशासन ने नहीं ली सीख, रोडवेज के सामने से लेकर आगे तक अभी निर्माण कार्य है बाकी

आटो से बस वालों तक ने खरीद लिए फ्लाईओवर के खंभे

जासं, वाराणसी : शहर में काफी समय से बन रहे चौकाघाट फ्लाईओवर के नीचे की जमीन को दो पहिया वाहन से लेकर बस संचालकों ने स्टैंड के लिए आपस में बांट लिया है। संचालकों ने दो से चार पिलर के बीच में स्टैंड बना लिया है। इसकी आड़ में ठेले खोमचे भी लग रहे हैं। इससे कैंट स्टेशन और रोडवेज की ओर आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इन सबके लिए हर महीने पुलिस, परिवहन, ट्रैफिक को महीना भी भेजा जाता है। इन सभी स्थानों पर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य भी चल रहा है। यह स्थिति तब है जबकि एक साल के अंदर दो हादसे हो चुके हैं। बावजूद इस के पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौन हैं।

चौकाघाट से फ्लाईओवर के नीचे पार्क या कार्यदाई एजेंसी की साइट आफिस है। अंधरापुल के आगे बढ़ते ही पुल के नीचे बाइक स्टैंड बना दिया गया है। आगे रोडवेज से पहले एक तरफ नए फ्लाईओवर के नीचे सड़क पर जीप, मैजिक आदि का स्टैंड बना है। रोडवेज के सामने प्रयागराज को जानी वाली कार व एसयूवी का स्टैंड बन गया है। थोड़ा आगे बढ़ने पर कैंट रेलवे स्टेशन के नए यात्री प्रतिक्षालय के सामने बस स्टैंड बना दिया गया है। आगे के पिलरों के बीच आटोरिक्शा स्टैंड चल रहा है। यही हाल श्रीकृष्ण धर्मशाला के सामने चौराहे तक है। इन सब के बीच-बीच में चाय-पान, फल, बाटी-चोखा आदि के ठेले खोमचे ने कब्जा कर लिया है। इस प्रकार हादसों से किसी ने भी सबक नहीं लिया है।

कभी भी हो सकता है हादसा : बिना रास्ता ब्लाक किए और सुरक्षा मानकों को पूरा किए पिछले तीन वर्ष से फ्लाईओवर निर्माण कार्य चल रहा है। हादसे में एक दर्जन से अधिक की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद कोई सबब नहीं लिया गया। अभी भी हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता है। ऐसा इसलिए कि अभी भी कई पिलर के बीच केवल बीम को रख कर छोड़ दिया गया है। कहीं वे लकड़ी के गुटके पर है तो कहीं लोहे पर। साथ ही पूरे फ्लाईओवर में या तो ऊपर पाथवे या फिर रेलिंग का कार्य चल रहा है। उसके नीचे कोई भी सुरक्षा जाली आदि नहीं लगाई गई है। ऐसे में उपर से गिरी एक गिट्टी भी किसी के सिर में बड़ा जख्म दे सकता है।

चौकाघाट-लहरतारा ओवरब्रिज के नीचे आटो स्टैंड ● जागरण

> हम लगातार डग्गामार वाहनों के संचालन के खिलाफ अभियान चलाते रहते हैं। वाहनों का चालान के साथ ही सीज भी किया जाता है। त्योहारों के बाद फिर अभियान चलाया जाएगा। जहां भी डग्गामार संचालन मिलेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
> **-एके राय,** एआरटीओ, वाराणसी।

डग्गामार से बिगड़ी व्यवस्था

जागरण संवाददाता, वाराणसी : शहर की बिगड़ी यातायात व्यवस्था से नाराज सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डग्गामार वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। लेकिन, जिले के अफसरों को मुख्यमंत्री का तनिक डर नहीं है। यदि होता तो इन डग्गामार वाहनों के खिलाफ अफसरों ने कार्रवाई की होती। इन वाहनों के चलते शहर की यातायात व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। रोक के बावजूद ये शहर के अंदर मनमाने तरीके से स्टैंड बनाकर सवारियां भर रही है। पास खड़े यातायात और सिविल पुलिस कार्रवाई करने की बजाय तमाशा देखती रहती है। वहीं, शिकायत होने पर भी परिवहन अधिकारी इन डग्गामार वाहनों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। सवाल उठता है कि आखिर इनके खिलाफ कौन कार्रवाई करेगा।

जिले में सुगम यातायात व्यवस्था के लिए परिवहन विभाग ने कई मार्गों पर बस, आटो रिक्शा, विक्रम, मैक्सी कैब आदि को परमिट जारी किया है। वाहनों को जिन मार्गों पर परमिट दी गई उसी मार्ग पर चलना चाहिए लेकिन ऐसा होता नहीं है। परिवहन विभाग पहड़िया-बेला, सारनाथ से कैंट होते हुए लंका, लहरतारा, गाजीपुर बसों को पीलीकोठी तक परमिट दिया है। इसी प्रकार आटो रिक्शा को कैंट रेलवे स्टेशन से 16 किलोमीटर परिधि में 4850 सिटी परमिट दिया है। लेकिन शहर में आठ हजार से अधिक आटो रिक्शा चल रहे हैं।

> डग्गामार वाहनों को किसी भी दशा में चलने नहीं दिया जाएगा, यदि परिवहन अधिकारी जानने के बाद भी कार्रवाई नहीं करते हैं तो यह गलत है। इसकी जांच कराई जाएगी, जांच में दोषी मिलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
> **-लक्ष्मीकांत मिश्रा,** उप परिवहन आयुक्त

कई प्रदेशों को जाती हैं बसें

सामने घाट स्थित मदरवां गांव और टेंगरा मोड़ से दो-चार नहीं, बल्कि लग्जरी बसें कई प्रदेशों को जाती हैं। यहां से बस समेत अन्य किसी वाहन को परमिट परिवहन विभाग ने नहीं दिया है। दोनों स्थानों पर स्थानीय पुलिस की संरक्षण में वाहन स्टैंड संचालित हो रहे हैं। रोडवेज बस स्टैंड से इंग्लिशिया लाइन तक चार पहिया वाहन कई जिलों को चलती है।

सिख समाज ने प्रधानमंत्री को संत पुरुष की दी उपाधि

मुहम्मद रईस ● वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में गुरुनानक देव महाराज के 550वें प्रकाशोत्सव को याद करते हुए गुरुद्वारा गुरुबाग का जिक्र किया। सिख समाज ने पीएम की सराहना करते हुए उन्हें संत की उपाधि से नवाजा।

समाज के परमजीत सिंह अहलूवालिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर विषय पर सोच-समझकर बोलते हैं। वे संत पुरुष हैं, जो उनकी बातों से भी झलकता है। गुरुनानक देव महाराज ने जिस तरह सभी धर्म-संप्रदाय का सम्मान किया, पीएम भी उसी तर्ज पर सभी को मान-सम्मान दे रहे हैं। गुरुद्वारा गुरुबाग गुरु नानक देव महाराज की चरण स्पर्श भूमि है। गुरु के इस पावन धरती का जिक्र पीएम ने हृदय से किया है। उन्हें यहां दर्शन भी जरूर करना चाहिए। ज्ञात हो कि गुरुनानक देव महाराज का 550वां प्रकाशोत्सव 12 नवंबर को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी व समूह संगत के सहयोग से गुरुद्वारा गुरुबाग में मनाया जाएगा। इस क्रम में जहां ऐतिहासिक प्रभातफेरियों का क्रम जारी है, वहीं बीएचयू अस्पताल में लंगर भी चलाया जा रहा है।

गुरुनानक देव ने यहीं किया था शापग्रस्त विद्वान का उद्धार : गुरुद्वारा गुरुबाग के मुख्य ग्रंथी भाई सुखदेव सिंह बताते हैं कि फरवरी 1507 में शिवरात्रि के अवसर पर गुरु नानक देव वाराणसी की यात्रा पर थे।

वर्तमान गुरुद्वारे के स्थान पर उस समय यहां सुंदर बाग था। इसी स्थान पर गुरु नानक देव शबद-कीर्तन कर रहे थे, जिससे प्रभावित होकर बाग के मालिक पंडित गोपाल शास्त्री उनके शिष्य बन गए। गुरु नानक देव के आकर्षक प्रभाव से पूरी नगरी में उनकी जय-जयकार होने लगी। उन्हीं दिनों कई विद्वानों को शास्त्रार्थ में पराजित करने वाले पंडित चतुरदास ईर्ष्यावश गुरु नानक देव के पास पहुंचे। इस पर गुरु नानक ने मुस्कुराते हुए स्वयं कहा कि पंडित चतुरदास जी यदि आप को मुझसे कुछ प्रश्न करने हैं तो इस बाग के भीतर एक कुत्ता है, आप उसे यहां लाइए, वही आपके प्रश्नों का उत्तर देगा। हम इस वाद-विवाद के झमेले में पड़ना नहीं चाहते।

गुरुजी का इशारा पाकर पंडित जी कुछ ही दूर गए थे कि उन्हें कुत्ता मिला, जिसे वे लेकर आए। गुरु नानक देव ने जब उस पर दृष्टि डाली तो कुत्ते के स्थान पर सुंदर स्वरूप धोती, जनेऊ, तिलक, माला आदि धारण किए एक विद्वान बैठा नजर आया। लोगों के पूछने पर उसने बताया कि मैं भी एक समय विद्वान था, लेकिन मेरे भीतर ईर्ष्या व अहंकार भरा हुआ था। काशी में आने वाले सभी साधु, संत, महात्मा, जोगी, सन्यासी को अपने शास्त्रार्थ से निरुत्तर कर यहां से भगा देता था। एक बार एक महापुरुष से काफी देर तक वाद-विवाद करता रहा। उन्होंने मेरे हठधर्मिता पर मुझे शाप दे दिया। माफी मांगने पर उन्होंने कहा कि कलयुग में गुरु नानक जी का आगमन होगा, उनकी कृपा दृष्टि से ही तेरा उद्धार होगा।

गुरु नानक देव ने उपदेश देते हुए कहा कि कर्म कांड और बाह्य आडंबर में लोग लिप्त हैं, लेकिन इनसे मोक्ष की प्राप्ति तब तक नहीं हो सकती जब तक कि निश्चय के साथ परम पिता का स्मरण न किया जाए। गुरुजी के अलौकिक वचनों को सुन सभी के शीश श्रद्धापूर्वक गुरु चरणों में झुक गए, वहीं पंडित चतुरदास का मन भी निर्मल हो गया। इस पर पंडित गोपाल शास्त्री ने कहा कि गुरु महाराज आपके चरण पड़ने से मेरा ये बाग पवित्र हो गया है। इसलिए अब ये बाग आपके चरणों में समर्पित है। उसी दिन से यह बाग 'गुरुबाग' के नाम से प्रसिद्ध हो गया।

नदेसर मिंट हाउस पर प्रधानमंत्री के मन की बात सुनते भाजपा नेता व अन्य ● जागरण

मन की बात

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 550वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में गुरु स्थान को किया याद
- पंडित गोपाल शास्त्री ने गुरु नानक देव महाराज को समर्पित किया था अपना बाग

मन की बात कार्यकर्ताओं ने सुनी दिल से

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसी भी संबोधन को उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी छोड़ते नहीं हैं। रविवार को जब पीएम ने मन की बात की तो शहर में कई स्थानों पर लोगों ने ध्यान से सुना और उसको अपने व्यवहार में उतारने का संकल्प लिया। पीएम ने अयोध्या पर पूर्व के कोर्ट के निर्णय पर बयान बहादुरों, बड़बोलों को आड़े हाथ लिया। कहा वे अपने को चर्चा में लाने के लिए तरह-तरह के बयान देते हैं। इन बयानों से हमारी एकता प्रभावित होती है लेकिन साधु संतों एवं समाज के जिम्मेदार लोगों के संयम से सब ठीक हो जाता है। इसे सभी ने ध्यान रखने का संकल्प लिया। स्वच्छता अभियान, स्थानीय उत्पादों की खरीदारी, गुरुनानक देव के जन्म दिवस पर प्रकाशोत्सव मनाने, बेहतर काम करने वाली नारी शक्ति को लक्ष्मी रूप में सम्मान देने आदि को कार्यकर्ताओं ने सराहा और समय की मांग बताया। मिंट हाउस पर मन की बात कार्यक्रम में भाजपा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह समेत सिद्धनाथ शर्मा, सुशील गुप्ता, राजेन्द्र यादव, महादेव, सुरेन्द्र पांडेय, महेन्द्र यादव, रामसकल पटेल, दिनेश राय, संदीप सिंह सत्यप्रकाश आर्य, दिनेश सिंह भग्गू आदि शामिल हुए। इसी प्रकार कोदई चौकी पर समेत शहर में कई अन्य स्थानों पर लोगों ने पीएम के मन की बात सुनी।

हरियाणा के परिणाम से कांग्रेस में ऊर्जा

जासं, वाराणसी : महाराष्ट्र व हरियाणा में विधानसभा चुनाव का परिणाम के बाद कांग्रेस में ऊर्जा का संचार हुआ है। खास कर हरियाणा में जहां बड़ी बढ़त की उम्मीद लगाए भाजपा नेताओं को कांग्रेस ने करारी पटखनी दी है तो वहीं अपनी झोली में 31 सीट डालकर सरकार बनाने के एक तरफा दावे की हवा निकाल दी।

बात दीगर है कि हरियाणा में सरकार बनाने का समीकरण कांग्रेस से दूर है लेकिन भाजपा की राह में कांटे भरने के लिए पर्याप्त सीटें मिली हैं। परिणाम के बाद कांग्रेस के नेताओं ने समीक्षा शुरू कर दी है। इसी कड़ी में बनारस कांग्रेस का कहना है कि आए चुनाव परिणाम ने बीते चुनावों का ट्रेंड बदल दिया है। भाजपा से जनता का मोह भंग होता दिखाई दे रहा है। पूर्व विधायक अजय राय ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस की जीत को एक्जिट पोल ने दरकिनार कर दिया था लेकिन जब परिणाम आया तो भाजपा नेताओं की बोलती बंद हो गई। उन्होंने कहा कि भ्रम की राजनीति के दिन अब लद चुके हैं। लोगों को विकास चाहिए। युवाओं को रोजगार चाहिए। महिलाओं को सुरक्षा चाहिए। ऐसे तमाम मुद्दे हैं जिनको भाजपा सरकार में किनारे लगा दिया गया है। इसलिए कांग्रेस की ओर उनका रुझान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यूपी में उप चुनाव के दौरान कांग्रेस के बढ़े मत फीसद ने हौसला बढ़ाने का काम किया है। पूर्व सांसद डा. राजेश मिश्र ने कहा कि मिशन 2022 को लेकर कांग्रेस मजबूत कदम बढ़ा रही है।

किसान व नौजवान ही करेंगे भारत का उत्थान

भरोसा

- बोले गांधीवादी चिंतक डा. एसएन सुब्बाराव, दो दिनी प्रवास पर काशी में
- रोहनिया के शूलटंकेश्वर स्थित स्वराज आश्रम में प्रबुद्धजनों संग संवाद

जागरण संवाददाता, वाराणसी : ख्यात गांधीवादी चिंतक डा. एसएन सुब्बाराव ने कहा कि युवा शक्ति ही भारत का भविष्य है। इसे बार-बार सिर्फ कहने के बजाय कर दिखाना पड़ेगा। बुराइयां सीमित हैं लेकिन संगठित हैं जबकि अच्छाई बहुतायत के बाद भी असंगठित है। क्षेत्रीयता, जाति, धर्म, भाषा के परस्पर सम्मान से ही राष्ट्रीय और सांस्कृतिक एकता को बनाए रखा जा सकता है।

कुशीनगर में शिविर के बाद दो दिवसीय काशी प्रवास के दूसरे दिन रविवार को डा. एसएन सुब्बाराव माधोपुर के शूलटंकेश्वर स्थित स्वराज आश्रम में आयोजित संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य किसान और नौजवान है। उनके ही हाथों देश का उत्थान होगा लेकिन दोनों ही दिग्भ्रमित हैं, उन्हें राह दिखाने की जरूरत है। राष्ट्रीय एकता की थीम पर डा. सुब्बाराव ने कहा कि सभी सूत्रों में युवा व किसान मिलकर कार्य कर सकते हैं। अच्छे लोग संगठित होंगे तो बुराइयां खुद ही दब जाएंगी। राष्ट्रीयता के भाव को जगाने के लिए किसान को जागरूक व आत्म निर्भर बनाना होगा। नौजवान को समझदार व कर्मवीर बनाना होगा। इससे वह देश के समक्ष चुनौतियां का डट कर सामना कर सकेगा। गांधीवादी चिंतक का मानना है कि जब अलग-अलग बोली, भाषा और खानपान के लोग साथ रहकर राष्ट्रीय एकता के लिए मंथन करेंगे तभी इस दिशा में आगे बढ़ पाएंगे। ये सारी चीजें प्रेम से आएंगी, इसके लिए मिल बैठ कर बात करनी होगी। संवाद से ही रास्ता निकलता है, झगड़े से भेद बढ़ता है।

संवाद की शुरूआत डा. सुब्बाराव ने भजन अवधूत युगन युगन हम जोगी... व घट-घट में पंछी बोलता है... से किया। राष्ट्रीय एकता को समर्पित भजन भिन्नता में अभिन्नता आज गाएं आरती कोटि हस्त कोटि पाद हृदय एक भारती ... से समापन किया। स्वागत स्वराज आश्रम के रामानंद तिवारी, संचालन अजय पांडेय, संयोजन एवं धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डा. सुभाषचंद्र यादव ने किया। अमरनाथ भाई, हरिराम द्विवेदी, सुशील कुमार चौबे, प्रशांत राय, मनीष खत्री, प्रेमनारायण सिंह, अनीता सिंह, विनय त्रिपाठी, जोई स्मिथ आदि थे।

बेसमेंट में कारोबार करने पर निरस्त होगा नक्शा

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बेसमेंट कब्जा करने वालों के खिलाफ विकास प्राधिकरण ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। वीडीए वीसी ने जोनल और वार्ड के अवर अभियंताओं को ग्रुप हाउसिंग, अपार्टमेंट और व्यावसायिक भवनों के बेसमेंट में व्यवसाय करने वालों की सूची बनाने के साथ उनके खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। 15 दिन के अंदर भवन स्वामी बेसमेंट खाली नहीं करते हैं तो उनके भवन का नक्शा निरस्त करने की संस्तुति जेई करें। उन्हें किसी प्रकार की मोहलत नहीं दी जाए। ग्रुप हाउसिंग, अपार्टमेंट और व्यावसायिक भवनों में बेसमेंट का नक्शा पास होता है जिससे लोग अपने वाहनों को सड़क पर खड़ी नहीं करें। आने वाले लोग अपने वाहनों को सड़कों पर खड़ी करते हैं जिससे वहां जाम की स्थिति बनी रहती है। इनके खिलाफ वीडीए ने कई बार अभियान चलाने के साथ नोटिस जारी की लेकिन समय बीतने के साथ वे फिर से बेसमेंट में कारोबार करने लगते हैं। मामला संज्ञान में आने पर वीडीए वीसी राहुल पांडेय ने सख्त रवैया अपनाते हुए उनके के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

बनारस में बढ़ रहे अपराध से राजधानी भी चिंता में

काशी में हो रही गोलियों की गूंज लखनऊ तक पहुंची

जागरण संवाददाता, वाराणसी : काशी को घंटा-घड़ियाल की नगरी कहा जाता है। यहां अब मंदिर के घंटियों के साथ ही बदमाशों के पिस्टल से निकली गोलियों की गूंज भी अधिक सुनाई दे रही है। कब, कहां गोली चल जाए कोई ठीक नहीं। वाराणसी पुलिस के इकबाल पर सवाल उठने लगे हैं। हाथों में बिहार की पिस्टल लेकर अपराधी बेखौफ काशी की सड़कों पर घूम रहे हैं। बाजार में महिलाओं का सोने के आभूषण पहनकर निकलना दूभर हो गया है। लंका क्षेत्र में चेन स्नेचिंग की लगातार हो रही घटनाएं बता रही कि इलाके में पुलिसिंग का क्या हाल है।

दुस्साहसिक तरीके से बदमाश जिस तरह हत्या, लूट, चेन स्नेचिंग कर रहे, काशी के आम नागरिकों के मन में दहशत घर कर गई है। गोली पर अगला नाम उनका तो नहीं, यह सोचकर कई कारोबारियों, सफेदपोश ने घर से निकलना बंद कर दिया है क्योंकि कानून-व्यवस्था ठीक नहीं है। जुलाई माह में पाइप कारोबारी धर्मेंद्र गुप्ता की हत्या से शुरू हुआ सिलसिला अब तक जारी है।

बेलगाम

- 85 दिन में 13 लोगों की अपराधियों ने कर दी हत्या
- घर से बाहर निकलने में डर रहे, न जाने कब हो जाए घटना

बनारस व आसपास के जिलों में बढ़े अपराध के ग्राफ की रिपोर्ट शासन में भी है। डीजीपी ओपी सिंह ने एडीजी से लेकर एसएसपी, एसपी तक को अपराध पर काबू पाने के लिए खरी - खरी सुनाई है। भदोही में लगातार हो रही लूट की घटना को लेकर भी डीजीपी ने चेतावनी दी है।

अक्टूबर में हुई हत्याएं

- 25 अक्टूबर को सर्राफ से लूट के दौरान बदमाशों से भिड़े कमलेश यादव की हत्या।
- 20 अक्टूबर की देर रात बिल्डर बलवंत सिंह की हत्या।
- 17 अक्टूबर को चौबेपुर में वृद्ध किसान रामजी यादव की हत्या।
- 11 अक्टूबर को लंका क्षेत्र में कूड़ा बीनने वाले छोटू शेख की गला रेतकर हत्या

सितंबर में हुई हत्याएं

- तीन सितंबर को कैंट थाना के मढ़वा में दिव्यांग दिलीप पटेल की गोली मारकर हत्या
- आठ सितंबर को सारनाथ थाना के खजुही इलाके में वृद्धा नारंगी देवी को मारी गोली। उपचार के दौरान मौत।
- 21 सितंबर को चेतगंज के काली महाल में पिशाचमोचन के तीर्थ पुरोहित केके उपाध्याय और उनकी पत्नी ममता उपाध्याय की गोली मारकर हत्या कर ।
- 24 सितंबर को बीएचयू में चाय-समोसा विक्रेता रामजी की सिर कूंचकर हत्या कर दी गई थी।
- 30 सितंबर नितेश सिंह को तहसील सदर के परिसर में हत्या।

अगस्त में हुई हत्याएं

- दो अगस्त को आदमपुर थाना के गोलगड्डा एरिया में चाकू गोदकर संजय की हत्या
- 12 अगस्त को लंका थाना एरिया के डाफी में शिक्षिका निवेदिता की चाकू गोदकर हत्या
- 17 अगस्त की रात कैंट थाना के हुकुलगंज में आधा दर्जन बदमाशों ने जूता कारोबारी अरविंद्र मौर्य को उतारा मौत के घाट।

कमलेश के गांव में नहीं जले दिवाली के दीये

जागरण संवाददाता, वाराणसी : ख्वाब था कि सेना में भर्ती होने के बाद देश की रक्षा करेंगे। सैनिक की वर्दी तो कमलेश नहीं पहन पाया लेकिन उसने एक सैनिक का बखूबी कर्तव्य निभाया। कारोबारी की जान बचाने के लिए बहादुरी के साथ लड़ा। दुश्मन उसके बाहुबल के आगे पस्त होने लगे तो गोली चला दी। कमलेश की इस शहादत को पूरी काशी का सलाम है। सारनाथ के भसोड़ी गांव मेंबीते शुक्रवार को बदमाशो की गोली से मारे गए साहसी कमलेश यादव के गम में रविवार को पूरा गांव उसके परिवार के संग था। किसी ने दिवाली नहीं मनाई। किसी के घर में दीये जले न दगे पटाखे। परिवार का गम बांटने गांव का हर सदस्य कमलेश के घर था। हर कोई कमलेश के साथ जुड़ी अपनी यादों को साझा कर रहा था। कमलेश के दोस्तों को विश्वास ही नहीं हो रहा कि धनतेरस पर ही तो सुबह शाम को मुलाकात हुई थी। गांव को दीपावली पर सजाने और आतिशबाजी की सारी योजना धरी रह गई। संदीप, गोलू, सतीश का कहना है कि जब भाई जैसा दोस्त ही नहीं रहा तो क्या दिवाली मनाएं।

कमलेश यादव का फाइल फोटो

पुलिस को हजम नहीं हो रही कारोबारी की कहानी : सराफा कारोबारी रविंद्र सेठ की कहानी पुलिस को हजम नहीं हो रही है। कारोबारी ने पुलिस को बताया कि बदमाशों से उसकी लगभग 10 मिनट तक गुत्थम गुत्थी हुई थी। पुलिस को कारोबारी की कहानी हजम नहीं हो रही है। अगर कारोबारी की बदमाशों से भिड़ंत होती तो कम से कम उसके कपड़े गंदे होते क्योंकि जहां पर वारदात हुई वहां पर धूल-मिट्टी के साथ ही किनारे की तरफ घास भी थी। कारोबारी की सफेद शर्ट में कही दाग नहीं लगा था। कारोबारी ने अपने ही दो रिश्तेदारों धर्मेंद्र व राजेंद्र पर आरोप लगाया लेकिन वो दोनों वारदात के समय अपनी दुकान पर थे। फिलहाल पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर रखा है। छानबीन में पता चला है कि लगभग 6 साल पहले राजेंद्र ने रविंद्र और उसके भाई के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज कराया था। मामला कोर्ट में है और जल्दी ही इसमें फैसला आने वाला है। पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।

लोकल बदमाशों के होने का शक, एक को उठाया : पुलिस को वारदात में लोकल बदमाशों के ही होने का शक है। पुलिस ने एक बदमाश को उठाया भी है। कमलेश को जहां गोली मारी गई थी, वहां पर शराब की बोतलें भी थी। सर्विलांस के जरिए कुछ संदिग्धों के मोबाइल नंबर पुलिस के पास आए हैं। उनकी गतिविधियों को खंगाला जा रहा। दो संदिग्ध अपने घर से गायब हैं।

एक खारिज, चार विभागों को मंजूरी

जासं, वाराणसी : महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के चार विभागों को इस वर्ष सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रदान करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे शासन की स्वीकृति मिल गई। यही नहीं शासन से इन चारों विभागों को 20.65 लाख रुपये का अनुदान भी मिल गया है। अनुदान मिलते ही विभागों ने कार्य भी शुरू कर दिए हैं। उधर संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पुराणेतिहास विभाग में दो वर्ष पहले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था लेकिन उच्च स्तरीय प्रस्ताव न होने के कारण शासन ने इसे खारिज कर दिया। इसके बाद संस्कृत विश्वविद्यालय ने प्रस्ताव दोबारा नहीं भेजा। हालांकि करीब पांच वर्ष पहले तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत शासन से करीब पांच लाख रुपये मिले थे। इस अनुदान से कंप्यूटर, प्रोजेक्टर सहित अन्य उपकरण क्रय किए गए। लेकिन अब इसका उपयोग अब नहीं हो रहा है। इस साल काशी विद्यापीठ के हिंदी, विधि, समाजशास्त्र व समाज कार्य विभाग को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस चयनित किया गया है।

शोध प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे सात हजार अभ्यर्थी

जासं, वाराणसी : महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में तीन साल बाद शोध परीक्षा कराई जाएगी। वाराणसी सहित पांच जिलों में करीब सात हजार अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे। शोध प्रवेश परीक्षा नवंबर के अंतिम सप्ताह या दिसंबर के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता अब दीक्षा समारोह है। 41वां दीक्षा समारोह 12 नवंबर को होना है।

काशी विद्यापीठ में शोध प्रवेश परीक्षा तीन वर्ष बाद होने जा रहा है। इसके बावजूद इस बार अब तक पिछली बार से भी कम आवेदन आए हैं। पिछली बार शोध प्रवेश परीक्षा के लिए करीब आठ हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। वहीं इस बार विश्वविद्यालय व इससे संबद्ध कालेजों में 31 विषयों में रिक्त 576 सीटों के लिए करीब सात हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

दो प्रश्नपत्रों की होगी परीक्षा : प्रवेश परीक्षा में दो प्रश्नपत्रों की परीक्षा होगी। प्रथम प्रश्नपत्र में सामान्य ज्ञान पर आधारित एक-एक अंक के 100 प्रश्न होंगे। दूसरे प्रश्नपत्र में विषय पर 200 नंबर के 200 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होगी।

नेट, जेआरएफ को नहीं देनी होगी प्रवेश परीक्षा: नेट, जेआरएफ उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। उन्हें प्रवेश परीक्षा नहीं देना होगा। ऐसे अभ्यर्थियों का चयन शैक्षिक रिकार्ड व इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा।

- तीन साल बाद होगी परीक्षा फिर भी पिछली बार से कम आवेदन
- दीक्षा समारोह के बाद प्रवेश परीक्षा की तिथि का होगा निर्धारण

आखिर कब तक शुरू होगा सुपर स्पेशियलिटी सेंटर

जागरण संवाददाता, वाराणसी : सर सुंदरलाल अस्पताल, बीएचयू स्थित निर्माणाधीन सुपर स्पेशियलिटी भवन के लाभ के लिए पूर्वांचल के लोगों को अभी और इंतजार करना होगा। निर्माणाधीन भवन का कार्य नवंबर के अंत तक पूरा करने का निर्देश है, मगर कच्छप गति से चल रहे कार्य को देखते हुए समय पर इसे पूरा करने को लेकर संशय है।

करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस भवन में हर विभाग में कुर्सियों व मशीन को लगाने का कार्य चल रहा है। इस भवन को अप्रैल में ही बीएचयू अस्पताल को सौंपा जाना था लेकिन काम अधूरा होने से इसकी मियाद बढ़ाकर नवंबर तक कर दी गई। छह मंजिला भवन में कई विभागों की ओपीडी शुरू की जानी है।

इस भवन में मरीजों के लिए 430 बेड की व्यवस्था होगी साथ ही 35 बेड का आइसीयू भी शुरू किया जाना है। इस सेंटर में सीएसएडी, लांड्री, फार्मेसी, रेडियोलॉजी, सैंपल कलेक्शन सेंटर, ब्लड बैंक, न्यूरो सर्जरी वार्ड, सेंट्रल लैब, कंसलटेंट चेंबर, माइनर व मेजर ओटी, गैस्ट्रो एंट्रोलॉजी, मेडिसिन वार्ड, इंडोस्कोपी, गुर्दा विज्ञान वार्ड, हृदय वार्ड, बर्न यूनिट, प्लास्टिक सर्जरी, रिसर्च लैब, अडल्ट आइसीयू, थोरेसिस आइसीयू, सीसीयू, सेमिनार रूम, सेंट्रल आइसीयू, डाक्टर व पैरामेडिकल लाउंज होंगे। समय-समय पर उच्चाधिकारी केंद्र का दौरा कर कार्य प्रगति की रिपोर्ट भी लेते रहते हैं, बावजूद इसके कार्यदायी संस्था की कार्यशैली जस की तस बनी हुई है।

बीएचयू में निर्माणाधीन सुपर स्पेशियलिटी सेंटर भवन ● जागरण

एक नजर आकड़ों पर

- 200 करोड़ रुपये है अनुमानित लागत।
- 430 बेड की होगी शताब्दी सुपर स्पेशियलिटी सेंटर में व्यवस्था।
- 22 दिसंबर 2016 को पीएम ने किया था शिलान्यास।
- 30 हजार स्क्वायर मीटर से अधिक है क्षेत्र।
- 3 ब्लाक में रहेगा यह सेंटर।

शत-प्रतिशत डिजिटल होगी हज यात्रा

जागरण संवाददाता, वाराणसी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के ख्वाब को साकार करने के लिए इस बार सेंट्रल हज कमेटी ने भी कमर कस ली है। हज यात्रा-2020 के लिए आवेदन फार्म शत-प्रतिशत डिजिटल तरीके से भरे जाएंगे।

सेंट्रल हज कमेटी के सदस्य डा. इफ्तिखार अहमद जावेद के मुताबिक पिछले वर्ष 71 फीसद फार्म ऑनलाइन भरे गए थे। वहीं रवानगी के समय करीब 80 फीसद लोगों ने ऑनलाइन बुकिंग कराई थी। इस बार यह आंकड़ा 100 फीसद करने के लिए देश के 22 इंबार्केशन केंद्र प्रभारियों को खास ताकीद की गई थी।

बढ़ा एक और इंबार्केशन केंद्र : डा. इफ्तिखार ने बताया कि वर्ष 2010 तक मुंबई, दिल्ली, बेंग्लुरु, चेन्नई, कोलकाता, कोचीन, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, श्रीनगर, नागपुर, पटना, जयपुर, गुवाहाटी, औरंगाबाद, वाराणसी, रांची, मंगलोर, भोपाल व गोआ ही इंबार्केशन केंद्र थे। वहीं कालीकट को पिछले वर्ष एवं विजयवाड़ा को इस वर्ष इंबार्केशन की सूची में शामिल कर लिया गया है।

जरूरतमंद बच्चों में मिठाई व मोमबत्ती वितरित करते बीएचयू के दिव्यांग छात्र ● जागरण

दिव्यांग छात्रों ने जरूरतमंदों संग साझा की दीपोत्सव की खुशियां

जासं, वाराणसी : काशी हिंदू विश्वविद्यालय के दिव्यांग (दृष्टिबाधित) छात्र दीपावली पर खुशियां साझा करते हुए जरूरतमंदों बच्चों को मुस्कराने की वजह दी। छात्रों ने राजनारायण पार्क, बेनियाबाग के नजदीक झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों के साथ दीपावली मनाई। बच्चों को स्वनिर्मित मोमबत्तियां उपहार स्वरूप भेंट करते हुए मिठाइयां बांटी। इस अवसर पर आर्टिकल 21-ए ग्रुप के संस्थापक धीरज कुमार पटेल व चितरंजन, अनमोल सेवा समिति के अरविंद चक्रवाल, सीमा चौधरी, युवा फाउंडेशन के विद्याभूषण गौतम, आकाश गौतम, सत्यप्रकाश मालवीय आदि थे।

हुनर प्रमिला ने शादी से पहले 1997 में शुरू किया था टेलरिंग का कार्य

प्रमिला की राह पर चल छात्राएं जीवन में भर रहीं खुशियों के रंग

जागरण संवाददाता, वाराणसी : शहर के सुसुवाही की रहने वाली हैं प्रमिला सिंह। उनको छात्राएं नीतू दीदी के नाम से भी बुलाती हैं। उन्होंने 1997 में ही टेलरिंग का कार्य शुरू किया। आज उन्होंने अपने दम पर बुटिक खोल ली हैं। यही नहीं प्रमिला की प्रतिभा को अपनाकर कई छात्राएं एवं महिलाएं भी अपने जीवन का निखार रहीं हैं। उनसे हुनर प्राप्त तक शहर ही नहीं गांव में भी महिलाएं बुटिक का व्यापार चला रही हैं।

प्रमिला सिंह

प्रमिला ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय से स्नातक उत्तीर्ण किया। इसके बाद वनिता पालीटेक्निक से डिप्लोमा हासिल किया। उनकी शादी वर्ष 2005 में हुईं, लेकिन इससे पहले से ही वह इस व्यवसाय से जुड़ गईं। उनका उद्देश्य अपने रोजगार को बेहतर बनाने के साथ ही अन्य युवतियों को भी हुनरमंद बनाना रहा। करीब चार दर्जन युवतियों को मुफ्त में टेलरिंग, कूकिंग, ब्यूटीशियन आदि की शिक्षा दी। बताया कि जब भी एक छात्रा या महिला उनके यहां से कार्य सीखकर जाती और अपना रोजगार शुरू करती तो बहुत खुशी होती थी।

पारिवारिक जिम्मेदारी ने थाम दी गति : प्रमिला ने बताया कि ज्यों-ज्यों परिवार बढ़ता गया त्यों-त्यों जिम्मेदारियां भी बढ़ती गई। इसके कारण काम की गति भी थामनी पड़ी। कुछ साल पहले प्रमिला के पास शहर के तमाम बड़े स्कूलों से ड्रेस सिलाई के ऑफर मिलते थे। अब बच्चा बड़ा होने के बाद व्यापार सीमित हो गया है। अब वह युवतियों को हुनरमंद बना रही हैं।

प्रमिला सिंह से टेलरिंग का हुनर सीखने वाली छात्राएं ● जागरण

शंकराचार्य ट्रस्ट की मदद से तैयार होंगे 'लोक शिक्षक'

जासं, वाराणसी : चंदौली, बनारस व मीरजापुर में पायलट प्रोजेक्ट के तहत आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए ब्लाक स्तर पर 'लोक शिक्षक' तैनात किए जाएंगे। इसके लिए आर्थिक मदद मुहैया कराने के क्रम में शंकराचार्य ट्रस्ट ने हाल ही में बीएचयू प्रशासन को पहली किश्त के रूप में नौ लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई है। प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए ट्रस्ट की ओर से कुल पांच करोड़ रुपये की सहायता राशि विवि प्रशासन को उपलब्ध कराया जाना है। वहीं इन 'लोक शिक्षकों' को बीएचयू का आयुर्वेद संकाय प्रशिक्षण देगा, जिसके लिए पाठ्यक्रम भी तैयार कर लिया गया है।

अनावश्यक कीटनाशकों व खाद का प्रयोग करने से खेतों की सेहत बिगड़ती जा रही है। इसका प्रभाव न सिर्फ पशुओं, बल्कि मनुष्यों की सेहत पर भी पड़ रहा है और बीमारियां भी बढ़ती जा रही हैं। वेलनेस सेंटर की तर्ज पर बैंग्लुरु के शंकराचार्य ट्रस्ट ने 'लोक शिक्षक' को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू करने जा रहा है। इसके लिए आयुर्वेद संकाय, बीएचयू ने सर्टिफिकेट कोर्स तैयार कर लिया है।

> 'लोक शिक्षक' के लिए पाठ्यक्रम तैयार है। विशेषज्ञों की मदद से इसे परिष्कृत किया जा रहा है। शंकराचार्य की ओर से पहली किश्त भी विवि को प्राप्त हो चुकी है। इसमें दाखिले की प्रक्रिया 15 नवंबर से शुरू करने की योजना है।
>
> – प्रो. वाइबी त्रिपाठी, डीन-आयुर्वेद संकाय, बीएचयू

ब्लाक स्तर पर होगी प्रवेशी परीक्षा : पाठ्यक्रम तैयार होने के बाद अगले माह 200 छात्रों के दाखिले की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक आर्हता किसी भी वर्ग से इंटरमीडिएट रखी गई है। ब्लाक स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी, ताकि गांव के युवा को गांव में ही रोजगार का अवसर उपलब्ध हो सके। इसके लिए उन्हें बतौर वेतन प्रतिमाह 12000 रुपये का भुगतान भी किया जाएगा।

शंकराचार्य ट्रस्ट उठाएगी खर्च : आयुर्वेद संकाय-बीएचयू कोर्स तैयार करने के साथ छात्रों को जरूरी प्रशिक्षण भी देगा। कोर्स के दौरान छात्रों के रहन-सहन, प्रशिक्षण व प्लेसमेंट के बाद वेतन आदि पर करीब 1.5 करोड़ रुपये का खर्च आएगा, जिसे ट्रस्ट वहन करेगा।

पेट्रोलियम मूल्यों में कमी से महंगाई थमी

जासं, वाराणसी : त्योहारी सीजन में मंदी से बाजार को उबारने में पेट्रोलियम पदार्थों ने भी महती भूमिका निभाई। अक्टूबर माह में डीजल 1.28 तो पर पेट्रोल 1.28 तो की गिरावट आई है। सऊदी अरब में हुए ड्रोन हमले के बाद पेट्रोलियम मूल्यों में वृद्धि की आशंका जताई गई थी।

पेट्रोलियम मूल्यों में कटौती से सहमी महंगाई : परिवहन का महंगाई से सीधा वास्ता होता है। वजह बाजार में बिकने वाले सामान एक से दूसरे जगह भेजे जाते हैं। मसलन वाराणसी से समान कोलकाता, मुंबई समेत दूर भेजे जाते तो बाहर के उत्पाद अपने शहर के बाजारों में पहुंचते हैं। कई चरण में हुई इस प्रक्रिया के बाद उत्पाद ग्राहकों तक पहुंचने में महंगाई स्पष्ट महसूस होने लगती है।

पेट्रोलियम मूल्यों पर एक नजर

अक्टूबर/दिनांक	पेट्रोल	डीजल
20	75.32	66.95
21	75.28	66.89
22	75.28	66.89
23	75.24	66.84
24	75.15	66.78
25	75.09	66.73
26	75.09	66.73

सत्र शुरू होते ही होने लगी सेमेस्टर परीक्षा की तैयारी

- संस्कृत विवि में आचार्य प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 से
- काशी विद्यापीठ में नवंबर के अंतिम सप्ताह में परीक्षाएं प्रस्तावित

जासं, वाराणसी : विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में दाखिला अगस्त-सितंबर तक हुआ है। दाखिला की प्रक्रिया पूर्ण होते ही परीक्षा फॉर्म भरने का एलान कर दिया है। यही नहीं नवंबर-दिसंबर में सेमेस्टर परीक्षा कराने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में आचार्य प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 नवंबर से शुरू हो रही हैं। वहीं काशी विद्यापीठ नवंबर के अंतिम सप्ताह से सेमेस्टर परीक्षाएं प्रस्तावित है।

विद्यापीठ में स्नातकोत्तर सेमेस्टर की परीक्षा दिसबंर प्रथम सप्ताह से प्रस्तावित है। विद्यापीठ में सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि चार नवंबर निर्धारित है। उधर संस्कृत विश्वविद्यालय में परीक्षार्थियों से सेमेस्टर फॉर्म भरवाए जा चुके हैं। परीक्षा के लिए टाइम टेबल भी जारी कर दिया गया है। सुबह आठ बजे से 11 बजे तक होने वाली आचार्य प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 23 नवंबर तक चलेंगी।

गोपनीय थैले का वितरण 15 नवंबर से : संस्कृत विश्वविद्यालय परीक्षा केंद्रों को गोपनीय थैले (उत्तर पुस्तिकाएं, छात्र नामावली, प्रश्नपत्र, प्रवेश पत्र) 15 नवंबर से वितरित करने का निर्णय लिया है। इसकी सूचना वेबसाइट पर अपलोड भी कर दी गई है। पहले दिन सूबे के बाहर के केंद्राध्यक्षों को विश्वविद्यालय बुलाया गया है। अंतिम दिन 17 नवंबर को वाराणसी व आसपास जिलों के केंद्रों को गोपनीय थैला वितरित किया जाएगा।

प्रत्येक जिले में एक-एक केंद्र : संस्कृत विश्वविद्यालय ने परीक्षा केंद्रों का निर्धारण दीपावली के अवकाश के बाद करने का निर्णय लिया है। सूबे के प्रत्येक जिलों में एक-एक केंद्र बनाने का प्रस्ताव है। पूरे देश में 8000 परीक्षार्थियों के लिए कुल 100 केंद्र प्रस्तावित है।

गिरधारी का प्रिय पकवान चखेंगे भोले भंडारी

विश्वनाथ मंदिर व अन्नपूर्णा समेत देवालयों में आज अन्नकूट, द्वापर में श्रीकृष्ण द्वारा शुरू परंपरा होगी जीवंत

प्रमोद यादव, वाराणसी

शुभ- लाभ कामना की पांच दिवसीय ज्योति पर्व श्रृंखला के चौथे दिन श्रीकाशी विश्वनाथ व अन्नपूर्णा दरबार समेत शहर से लेकर गांव तक देवालयों में अन्नकूट की झांकी सजाई जाएगी। कार्तिक प्रतिपदा यानी सोमवार को आराध्य देवों को कूटे अन्न से बनाए गए 56 प्रकार के मिष्ठान-पकवान का भोग अर्पित कर झांकी भी सजाई जाएगी।

वास्तव में अन्नकूट गोवर्धन पूजा का ही समारोह है। द्वापर में बृजवासी अनेक पदार्थों से इंद्र का पूजन करते और नाना प्रकार के रसों से परिपूर्ण 56 भोग लगाते थे। भगवान श्रीकृष्ण ने बाल्यावस्था में ही इंद्र पूजा निषिद्ध कर गोवर्धन पूजा कराई और स्वयं ही दूसरे स्वरूपों से गोवर्धन बन कर अर्पण की व संपूर्ण भोजन सामग्री का भोग लगाया। यह देख कर इंद्र ने बृज पर प्रलय करने वाली वर्षा की लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अंगुली पर धारण कर बृजवासियों की रक्षा की। इसके बाद से ही कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा पर गोवर्धन पूजा व अन्नकूट की परंपरा चली आ रही है। यह वैष्णवों का प्रमुख पर्व माना जाता है। इसका भव्य रूप मथुरा-वृंदावन समेत पूरे देश, खास तौर पर काशी में देखने को मिलता है।

बाबा दरबार में 40 तो अन्नपूर्णा में सवा सौ क्विंटल पकवान

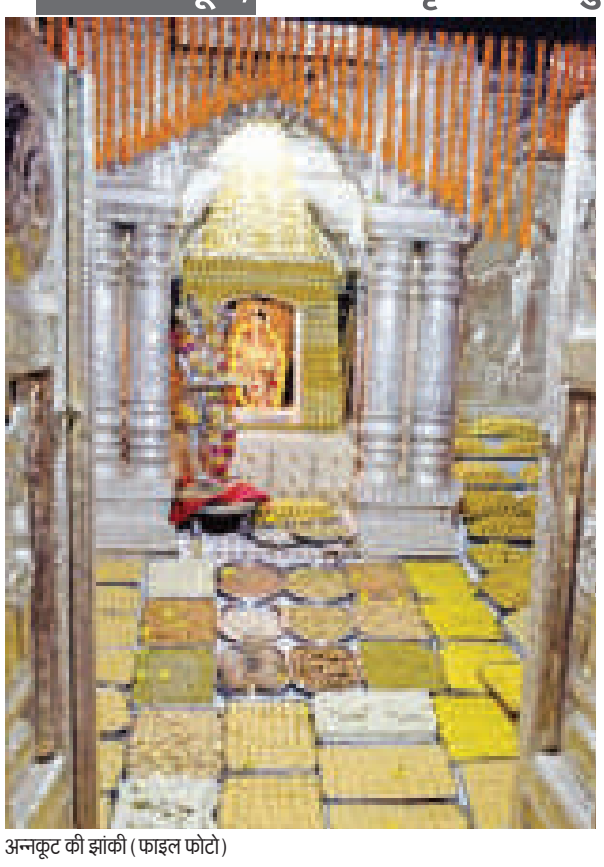

अन्नकूट महोत्सव पर श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में 40 क्विंटल मिष्ठान पकवान का भोग अर्पित किया जाएगा। प्रतिपदा की सुबह महंत आवास से प्रभु की पंचवदन प्रतिमा भी गर्भगृह में स्थापित की जाएगी। झांकी सजाई जाएगी और पूजन-अनुष्ठान किया जाएगा। प्रसाद वितरण अगले दिन मंगलवार को किया जाएगा। इसके लिए मंदिर प्रशासन ने हेल्प डेस्क से 200 रुपये का टिकट कटवाने की भी व्यवस्था की है। परिसर स्थित अन्नपूर्णा मंदिर में सवा सौ क्विंटल मिष्ठान-पकवान का 56 भोग अर्पित किया जाएगा। साथ ही भक्तों को कच्चे अन्न का भोग प्रसाद भी ग्रहण कराया जाएगा। महंत रामेश्वर पुरी के अनुसार 56 भोग में गुझिया, खरपूड़ी, चार तरह के लड्डू, मेवे के लड्डू, बर्फी, काजू की बर्फी, मगदल, खुर्मा और तरह-तरह के नमकीन होंगे।

अन्नकूट की झांकी (फाइल फोटो)

प्रकृति के साथ मानव संबंध से जुड़ा लोक जीवन का पर्व

एक दर्शन यह भी है कि जीव के अस्तित्व को आधार देने के लिए परम ब्रह्म परमात्मा कलिकाल स्वरूप में अन्न रूप में प्रतिष्ठित हुए। अन्न का महत्व प्रतिपादित करने के लिए सनातनधर्मीय संस्कृति के शास्त्रीय विधान के अनुसार अन्नकूट महोत्सव मनाया जाता है। इसे प्रभु श्रीकृष्ण ने द्वापर काल में प्रतिष्ठित किया। वास्तव में अन्नकूट महोत्सव प्रकृति के साथ मानव संबंध का प्रतीक है। यह एक प्रकार से सामूहिक भोज का आयोजन है। ग्रीष्म की विदाई व शरद की अगवानी की बेला में लोग सपरिवार एक जगह बनाई गई रसोई प्रभु को समर्पित कर प्रसाद ग्रहण करते हैं। अन्नकूट व गोवर्धन पूजनोत्सव का लोक जीवन में अत्यंत शास्त्रीय महत्व है। ख्यात ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा 28 अक्टूबर को सुबह 9.44 बजे लग रही है जो 29 की सुबह 7.50 बजे तक रहेगी।

सड़कों पर उतरेगा द्वापर, सजेगी झांकी

जासं., वाराणसी : दीपावली के दूसरे दिन कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा में गोवर्धन (गोधन) पूजा की जाती है। इस बार तिथियों के फेर से अन्यत्र 28 अक्टूबर तो काशी में 29 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा की जाएगी। हालांकि यदुवंशियों द्वारा गोवर्धन शोभायात्रा 28 अक्टूबर को ही निकाली जाएगी।

ख्यात ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा तिथि 28 अक्टूबर को सुबह 9.44 बजे लग रही है जो 29 को प्रातः 7.50 बजे तक है। तिथि विशेष पर आवास के बाहर गाय के गोबर से गोवर्धन बनाकर पूजन किया जाता है। धर्मशास्त्र अनुसार गोवर्धन को शिखर युक्त वृक्षादि से संयुत और पुष्पादि से सुशोभित करने का विधान है। अनेक स्थानों पर उसे मनुष्य के आकार का बनाकर सुशोभित किया कर गंध-पुष्पादि से विधिवत पूजन किया जाता है।

सड़कों पर उतरेगा द्वापर : गोवर्धन पूजा समिति की शोभायात्रा इस बार नई सदी 2021 में विजय पताका फहराने के संकल्पों के साथ निकाली जाएगी। सोमवार को हथुआ मार्केट से इसका शुभारंभ होगा और खिड़किया घाट पर उत्सव मनाया जाएगा। इसमें पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव मुख्य अतिथि और लोकसभा में बसपा संसदीय दल के नेता सांसद श्याम सिंह यादव मुख्य वक्ता होंगे। लोकगायिका भानुश्री यादव शोभायात्रा का शुभारंभ करेंगी।

गोवर्धन पूजा में निकली झांकी (फाइल फोटो)

आस्था

- गोवर्धन पूजा व भइया दूज कल मनाया जाएगा एक साथ
- गोवर्धन पूजनोत्सव समिति की ओर से आज भव्य शोभायात्रा

पर्व श्रृंखला का समापन : कार्तिक शुक्ल द्वितीया अर्थात यम द्वितीया भइया दूज के रूप में मनाने की परंपरा है। यह पर्व इस बार अनुदया द्वितीया (कार्तिक शुक्ल द्वितीया की हानि) 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा। काशी में गोवर्धन पूजा होगी। इसी दिन कलम दवात के देवता चित्रगुप्त सहित यम पूजन का विधान है। कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि 29 अक्टूबर को प्रातः 7.51 बजे लग रही है जो 30 अक्टूबर की भोर 5.17 बजे तक रहेगी। तिथि विशेष पर भाई अपने बहन के घर भोजन करते हैं। इसलिए इसे भइया दूज के नाम से जाना जाता है। लोक मान्यता है कि यदि भाई बहन इस दिन एक साथ यमुना में स्नान करें तो यमराज उनके निकट नहीं आते।

11 विभूतियों की निकलेगी शोभायात्रा

चित्रगुप्त जयंती पर शोभायात्रा के लिए तैयार हो रही विभूतियों की झांकी ● जागरण

जासं, वाराणसी : चित्रगुप्त जयंती पर 29 अक्टूबर को काशी में इस साल कुछ खास होने जा रहा है। पारंपरिक हवन-पूजन के साथ ही इस बार विशेष शोभायात्रा भी निकाली जाएंगी। वह भी 11 प्रमुख कायस्थ महान विभूतियों की। इसके लिए कायस्थ समाज ने तैयारी कर ली है। शनिवार को बैठक कर सभी पदाधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी भी तय कर दी गई। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिला ईकाई की ओर से भगवान श्री चित्रगुप्त जयंती के अवसर निकाली जाने वाली शोभा यात्रा की तैयारी की गई है। अध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि शोभा यात्रा शाम तीन बजे मैदागिन स्थित टाउन हाल से शुरू होगी। इसके बाद यहां से कबीरचौरा, लहुराबीर, जगतगंज, अंधरापुल होते हुए मिंट हाउस स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के पास पहुंचेगी।

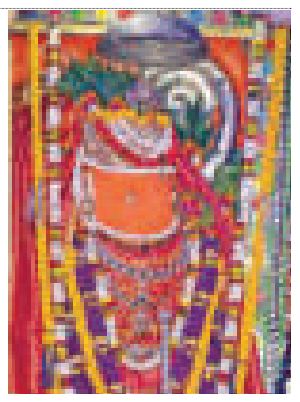

इन महान विभूतियों की निकलेगी झांकी

स्वामी विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, डा. राजेंद्र प्रसाद, डा. शांति स्वरूप भटनागर, खुदीराम बोस, मुंशी प्रेमचन्द, डा. संपूर्णानंद, लालबहादुर शास्त्री, लोकनायक जय प्रकाश, गणेश शंकर विद्यार्थी, जगदीश चंद्र बसु। चित्रगुप्त जयंती पर निकलने वाली शोभायात्रा के लिए तैयार की जा रही कायस्थ महान विभूतियों की झांकी।

पहला दंड प्रणाम पवनसुत के नाम

- दीपावली की सुबह चतुर्दशी के मान के तहत पूजे गए राम भक्त हनुमान
- संकट मोचन मंदिर समेत देवालयों में दर्शन के लिए भोर से कतार

जागरण संवाददाता, वाराणसी : मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की वन से अयोध्या वापसी पर अगवानी के पर्व दीपावली की सुबह धर्मानुरागियों ने पहला दंड प्रणाम पवन सुत हनुमान के नाम किया। कार्तिक अमावस्या की सुबह चतुर्दशी के मान के तहत भोर से ही संकट मोचन समेत अन्य हनुमत मंदिरों में कतार लगी। भक्तों ने प्रभु के दिव्य श्रृंगार झांकी के दर्शन किए और जयंती पर पूजन अनुष्ठान कर आशीष लिया। चतुर्दशी दो दिन रहने से शनिवार के अद्भुत संयोग में जयंती मना चुके लोग भी दीपावली के विधान के तहत प्रभु को शीश नवाने पहुंचे। संकट मोचन मंदिर में भोर में झांकी सजाई गई और आरती के बाद पट खोल दिए गए। महंत प्रो. विश्वंभरनाथ मिश्र के सानिध्य में प्रसाद वितरण किया गया। हनुमानघाट स्थित जूना अखाड़ा में बड़े हनुमानजी की भी भव्य झांकी सजाई गई। भोर की मंगला आरती के बाद मंदिर का पट खुला। दर्शन-पूजन का क्रम रात 12 बजे तक चलता रहा।

अर्दली बाजार स्थित महावीर मंदिर में भी दर्शन-पूजन के लिए सुबह से श्रद्धालुओं का रेला उमड़ता रहा। महंत शैलेंद्र द्विवेदी बब्बू महाराज ने भोर में स्नान विधान पूरे कर नए वस्त्राभूषण व फूलों से श्रृंगार किया। पूजन-आरती के साथ ही पट खुले और जयकार से परिसर गूंज उठा। फूलों व गुब्बारों से सजे परिसर में रात तक भीड़ रही।

दुर्गाकुंड स्थित सेनापति बनकटी हनुमान मंदिर में सुबह पांच बजे प्रधान पुजारी पं. गया प्रसाद मिश्र ने गंगा जल से स्नान करा कर नए वस्त्र धारण कराए। तुलसी, कमल, गुलाब, गेंदा के फूलों से श्रृंगार कर भव्य आरती की। वैदिक ब्राह्मणों ने रूद्राभिषेक किया और सुंदरकांड की चौपाइयां गूंजीं। श्रृंगार झांकी दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। इसके अलावा गांव से शहर तक हनुमान जी के अन्य मंदिरों में भी श्रृंगार- पूजन आरती की गई।

शिवाला में छोटे हनुमान जी का व हनुमान घाट स्थित बड़े हनुमान जी की सजी झांकी ● जागरण

मंडुआडीह में सजा भेला का मेला

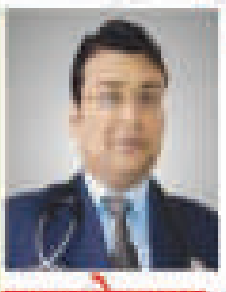

जासं, वाराणसी : कार्तिक अमावस्या यानी दीपावली की रात मंडुआडीह के मांडवी तालाब पर भेला का मेला सजा। इसमें पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से जुटे मेलार्थियों ने घर-गृहस्थी के सामान खरीदे। दमा व श्वास रोग से मुक्ति के लिए भेले का फल भी खरीदा।

मेले में बेचने के लिए मीरजापुर व सोनभद्र के जंगलों से भेला का फल लेकर दुकानदार लेकर आते हैं। मान्यता है कि भेला के फल का रसपान करने से पुराने से पुराने दमा व श्वास रोगों से मुक्ति मिल जाती है। इसके सेवन से पहले देशी घी पीना होता है और एक सप्ताह तक नमक वर्जित रहता है। इसके अलावा मेला में झूला-चरखी लगाई गई जिस पर बच्चों के साथ ही बड़ों का भी रेला उमड़ा। महिलाओं ने छठ पूजा के लिए दउरी, डलिया, पीढ़ा आदि की खरीदारी की। मेला दीपोत्सव की शाम से शुरू होकर देर रात तक चला।

भय से मुक्ति को पूजी गईं काली माई

जागरण संवाददाता, वाराणसी : कार्तिक अमावस्या यानी दीपावली पर श्रीसमृद्धि कामना से लक्ष्मी-गणेश का पूजन किया गया तो रात में भय-बाधाओं से मुक्ति के लिए मां काली पूजी गईं। बंगीय बस्तियों में पंडाल सजाकर स्थापित काली प्रतिमा का पूजन किया गया। देवनाथपुरा स्थित नवसंघ ने आतंकियों के सर्वनाश का अनुष्ठान किया। रात 11.44.30 बजे पूजनोत्सव शुरू हुआ जो देर रात तक चला। पांडेय हवेली स्थित वाणी संघ के पंडाल में भी पूजनोत्सव की धूम रही। इसके अलावा काली मंदिरों में रात के साथ सस्वर मंत्रों के बीच पूजन-अनुष्ठान का क्रम शुरू हुआ।

पांडेय हवेली में स्थापित मां काली की प्रतिमा।

ज्योति पर्व पर शाम ढलने के साथ उत्साह व उल्लास के बीच चहुंओर उजाला छा गया। हर ओर बिखरी रोशनी ने पूनम की रात का अहसास करा दिया। जैसे-जैसे रात गहराती गई रंग-विरंगी रोशनी व आतिशबाजी से धरती और आसमां तक जगमग हो उठे ● जागरण

रोशनी ने अंधेरे से कहा 'राम-राम'

ज्योति पर्व पर रोशनी से नहाया शहर, विद्युत झालरों की दमक के बीच हुई आतिशबाजी

जागरण संवाददाता, वाराणसी : श्रीसमृद्धि कामना वाले दीप ज्योति पर्व शृंखला के प्रमुख पर्व दीपावली की रात उत्सवों के शहर बनारस में रोशनी की बरसात हुई। भगवान भास्कर ने गोधूलि बेला में अस्ताचल को प्रस्थान किया और रंग-विरंगे विद्युत झालरों और दीया-तेल-बाती ने मोर्चा संभाल लिया। देखते ही देखते गांव से लेकर शहर तक रंगीन झालरों की झिलमिल व दीपों की दपदप ने घर-मंदिर का कोना-कोना और हर डगर को जगर मगर कर दिया। पूरी रात इस अलौकिक छटा ने अमावस के घने अंधेरे को औकात बताई तो रंग-विरंगी आतिशबाजी लहराते, बल खाते आसमान छू आई।

जगमग ने यह अहसास दिया मानो देवाधिदेव महादेव नगरी का श्रृंगार करने के लिए सितारे स्वयं जमीन पर उतर आए हों। बंदिशों को धता बताते बच्चों और बड़ों ने भी जमकर चरखी, राकेट समेत पटाखों का आनंद लिया। दीपावली की रंगत वैसे तो तीन दिन पहले से ही निखरने लगी थी लेकिन पर्व विशेष पर सुबह से ही इसका उत्साह छलकने लगा। सुबह से ही छोटे-बड़े सभी बाजारों में लोग आवश्यक सामग्री की खरीदारी में जुटे तो दुल्हन की तरह सजी-संवरी दुकानों पर गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियों और सजावट के सामान की जमकर खरीदारी की गई। इस दौरान परंपरा का मान रखते हुए लोगों ने भइया दूज के लिए धान का लावा, लाई, चूड़ा, गट्टा, घरिया व भड़ेहर आदि की भी खरीदारी की। इसमें सबसे अधिक भीड़ मिठाई व आतिशबाजी की दुकानों पर दिखी। शाम के साथ घरों-प्रतिष्ठानों में श्रीगणेश-लक्ष्मी और कुबेर का शुभ मुहूर्त में सविधि पूजन- अनुष्ठान किया गया। घरों में लोगों ने खुद विधि-विधान पूरे किए तो प्रतिष्ठानों में पुरोहितों से विधिवत अनुष्ठान कराए। मंदिरों में दीप अर्पित कर लोगों ने दीप ज्योति प्रज्वलन का आरंभ किया। शहर से लेकर गांव तक भवनों-प्रतिष्ठानों की छतों पर विद्युत झालरों की सजावट से हर ओर जगमगाहट रही। रौनक देखने के लिए देर रात तक सड़कों पर चहल-पहल रही। लोगों ने शुभ-लाभ के पर्व दीपावली पर दोस्तों- मित्रों, नाते रिश्तेदारों को उपहार व मिठाइयों के पैकेट भेंट कर शुभकामनाएं दीं। रात में भइया दूज के लिहाज से भड़ेहर आदि भी भर लिए गए।

दीपावली पर्व पर आकाश दीप छोड़ते लोग ● जागरण

दीपावली पर्व पर रंगोली बनाती महिलाएं ● जागरण

दीपावली पर्व पर मंदिर में दीया जलाती युवतियां ● जागरण

सिगरा क्षेत्र में महिलाएं घर की बालकनी में दीप सजाती नजर आईं ● जागरण

उदय प्रताप कालेज के खिलाड़ियों ने ग्राउंड को दीपों से रोशन किया ● जागरण

दीपावली पर अभिभावकों के साथ आतिशबाजी करते बच्चे ● जागरण

महावीर मंदिर में भगवान को दीप अर्पित करते लोग ● जागरण

दिवाली तो अपनी भी है : दीप पर्व को हर कोई अपने-अपने सामर्थ्य के अनुसार मनाता दिखा। कहीं आतिशबाजी की धूम तो कहीं भवनों पर रंग-विरंगी झालर की रोशनी। शहर की चकाचौंध के बीच नदेसर की झोपड़ पट्टी में बच्चों ने भी मिट्टी के बनाए अपने घरौंदे को खूब जतन से सजाया, भड़ेहर ले आए और चीनी की मिठाई संग लावा भी जुटाया। दीप जलाया, पूजा की और मनाई अपनी खास दीपावली ● जागरण

पद्मश्री प्रशांति सिंह के नेतृत्व में बास्केटबाल खिलाड़ियों ने उदय प्रताप कालेज के ग्राउंड को दीपों से किया रोशन ● जागरण

गुरुबाग स्थित गुरुद्वारा में मोमबत्ती जलाती महिलाएं ● जागरण

रंगोली बनाकर दीया जलाते लोग ● जागरण

विंध्यवासिनी नगर कालोनी में झालरों से सजे मकान ● जागरण

पटाखे छोड़ते बच्चे ● जागरण

सिगरा क्षेत्र में फुलझड़ी जलाते बच्चे ● जागरण

राष्ट्रीय चिह्न को देख हुईं अभिभूत

फिजी की उप सभापति

- दोपहर बाद पुरातात्विक संग्रहालय पहुंची वीना कुमार भटनागर
- सारनाथ के पुरातात्विक स्मारकों को भी देखा, ली जानकारी

जासं, वाराणसी: फिजी की उप सभापति वीना कुमार भटनागर रविवार को बनारस में थीं। दोपहर बाद वह सारनाथ पहुंचीं। पुरातात्विक स्मारकों को करीब से देखने के साथ ही उन्होंने उनके बारे में जानकारी भी ली।

पुरातात्विक संग्रहालय में रखी कलाकृतियों को देख वे विस्मृत हो उठीं। हिंदू व बौद्ध गैलरी में रखी प्राचीन प्रतिमाओं सहित भारत के राष्ट्रीय चिह्न 'सिंह शीर्ष' को ध्यानपूर्वक देखा। सिंह शीर्ष की चमक ने उन्हें मुग्ध कर दिया। इसके बाद वह पुरातात्विक उत्खनित स्थल पहुंची, जहां उन्होंने धमेख स्तूप, धर्मराजिका स्तूप व अशोक की लाट के ऐतिहासिक महत्व को करीब से जाना। इसके बाद वीना कुमार भटनागर बड़ा लालपुर स्थित दीन दयाल हस्त कला संकुल के लिए रवाना हो गईं। विदेश मंत्रालय के अनुभाग अधिकारी रमेश चंद ने बताया कि वीना कुमार भटनागर शनिवार को अयोध्या में हुए दीपोत्सव की मुख्य अतिथि थीं। वह फिजी में भारतीय मूल की पहली उप-सभापति हैं। वह 28 अक्टूबर को दिल्ली रवाना होंगी। पर्यटन सूचना अधिकारी नितिन द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

वाराणसी के सारनाथ में भ्रमण करतीं फिजी की उपसभापति वीना कुमार भटनागर

अब सब्जियां नहीं होंगी बर्बाद

- सांसद आदर्श गांव नागेपुर में बढ़ेगी किसानों की आमदनी
- सोलर ड्रायर मशीन से सुखाकर सुरक्षित रखी जाएंगी सब्जियां

जागरण संवाददाता, वाराणसी : जिले में सांसद आदर्श गांव आराजी लाइन के नागेपुर, जयापुर और चिरईगांव के सीओ में किसानों की उत्पादित अतिरिक्त सब्जियां अब बर्बाद नहीं होंगी। उन्हें सोलर ड्रायर मशीन से सुखाकर सुरक्षित रखा जा सकेगा। बाद में किसान उसकी बिक्री कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें सोलर ड्रायर मशीनें मुहैया कराई जा रही है। 30 ड्रायर मशीनें अब तक दी जा चुकी हैं जबकि इतनी और वितरित होनी हैं। नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर योजना के तहत बीएचयू व भारतीय कृषि प्रणाली संस्थान मोदीपुरम द्वारा सोलर ड्रायर मशीनों का वितरण किया जा रहा है।

बीएचयू कृषि विज्ञान संस्थान के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. जेएस बोहरा ने बताया कि जल्द ही इस योजना के तहत शेष किसानों में सोलर ड्रायर का वितरण किया जाना है। ये मशीनें ऐसे किसानों को दी जानी हैं जो इस मॉडल को अपना रहे हैं। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए केवल परंपरागत खेती ही नहीं बल्कि अब उन्हें समेकित खेती के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

सोलर ड्रायर मशीन की खासियत

सब्जियों की खेती करने वाले किसानों को कई बार बाजार में उसकी सही कीमत नहीं मिलती। ऐसे में वे सब्जियों को खेत में ही छोड़ देते हैं अथवा मवेशियों को चारा में खिला देते हैं। लेकिन अब वे सब्जियों को इस मशीन में सुखा कर बारिश के दिनों के लिए सुरक्षित रख सकते हैं।

बीएचयू के कृषि फार्म में रखी गई सोलर ड्रायर मशीन ● जागरण

एक दिन में सुखा सकते हैं सब्जी

प्रो. बोहरा ने बताया कि सोलर ड्रायर के प्रयोग से हर दिन 10 से 12 किलो सब्जी आसानी से सुखा कर किसान ऑफ सीजन में लाभ ले सकते हैं। इसमें लगा सोलर पैनल धूप को गर्म हवा में परिवर्तित कर चेंबर में भेजता है। इसमें फैन भी लगा है जिससे गर्म हवा का संचार आसानी से होता है। गर्म हवा से सब्जियों को सुखाया जाता है। मटर, करैला, गोभी, पत्ता गोभी आदि एक दिन में सुखा सकते हैं। इससे सब्जियों का मूल तत्व भी बना रहता है जिससे कोई नुकसान नहीं होता है।

कंट्रोल रूम में आई लो-वोल्टेज की शिकायत

जागरण संवाददाता, वाराणसी : दीपावली पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति को जारी रखने के लिए भिखारीपुर स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया।

रविवार को कंट्रोल रूप में लोग फोन कर अपनी समस्या बताते रहे। सबसे पहले शिकायत चौक क्षेत्र से आई। यहां के उपभोक्ताओं का कहना था कि क्षेत्र में लो-वोल्टेज है। इसके बाद कंट्रोल रूम की ओर से तत्काल संबंधित क्षेत्र के जेई को सूचना दी गई। कर्मचारियों ने इस समस्या का तत्काल निस्तारण कर दिया। ग्रामीण क्षेत्रों से भी शिकायत आई।

सिंहपुर से लोगों ने ट्रांसफार्मर जलने की शिकायत की। हालांकि यहां पर पानी भरा रहने के कारण तत्काल ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा सका।

एक नजर में

युवक गिरफ्तार, टिकट बरामद

वाराणसी : टिकट की दलाली करने के आरोप में रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने शनिवार देर शाम विशाल वर्मा नामक एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से मंडुआडीह से कानपुर का कंफर्म टिकट बरामद हुआ। (जासं)

कैंट पर ई-चार्ट सेवा शुरू

वाराणसी : केंद्र सरकार की पेपर लेस सेवा के क्रम में रेल प्रशासन ने ई-चार्ट सेवा प्रारंभ की है। योजना के तहत मुख्य यात्री हाल और प्लेटफार्म नंबर पांच पर दो सिस्टम लगाए गये हैं। अब यात्रियों को आरक्षित टिकट की स्थिति जानने के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। ट्रेन आने से पहले यात्रियों को टिकट के कंफर्म होने की जानकारी मिल जाएगी। कार्यदाई संस्था के कर्मचारियों ने सिस्टम को लागू करने के बाद रेलवे चार्ट सिस्टम ने लिंक कर दिया है। (जासं)

परिषदीय स्कूलों के 1.77 लाख बच्चों को मिलेगा मुफ्त स्वेटर

क्रय आदेश जारी, अब 15 नवंबर तक वितरित करने का निर्णय

परिषदीय विद्यालय

- जेम पोर्टल के चक्कर में देरी, 31 अक्टूबर तक बांटने का था लक्ष्य
- बच्चों को ठंड से पहले स्वेटर मिलने की जगी उम्मीद

> तकनीकी कारणों से स्वेटर के लिए क्रय आदेश जारी करने में देरी हुई। इसके बावजूद ठंड से पहले सभी बच्चों को स्वेटर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। स्वेटर का वितरण नवंबर के प्रथम सप्ताह से शुरू कर दिया जाएगा।
>
> **-जय सिंह**, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

जासं, वाराणसी : परिषदीय विद्यालयों के 1.77 लाख बच्चों को अब 15 नवंबर तक मुफ्त स्वेटर मिलने की संभावना है। शासन के निर्देश पर जेम पोर्टल से स्वेटर के लिए क्रय आदेश दिया जा चुका है। स्वेटर की आपूर्ति 31 अक्टूबर से होने की संभावना है। पहले इस तिथि तक वितरण का लक्ष्य था। हालांकि, इस बार बच्चों को ठंड से पहले स्वेटर मिलने की उम्मीद जग गई है।

शासन से सूबे के सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों से हर हाल में 31 अक्टूबर तक स्वेटर का वितरित करने का निर्देश दिया था। ताकि स्वेटर की खरीद में कमीशनखोरी पर लगाम लगाई जा सके। पहले ग्राम प्रधान व विभागीय अधिकारियों द्वारा स्वेटर व ड्रेस क्रय किए जाते रहे हैं। ऐसे में स्वेटर खरीदने में धांधली की आशंका बनी रहती थी। बच्चों को अच्छी गुणवत्ता का स्वेटर मिल सके इसके लिए शासन ने बीएसए को जेम पोर्टल से टेंडर करने का निर्देश दिया है। वहीं जेम पोर्टल के चक्कर में स्वेटर के लिए क्रय आदेश देने में देरी हुई। तकनीकी कारणों से क्रय आदेश नहीं जारी किया जा सका। बीएसए ने इसकी सूचना शासन को दी। शासन के हस्तक्षेप के बाद तकनीकी गड़बड़ियों को दूर हुई।

19 अक्टूबर को स्वेटर का क्रय आदेश दिया है। ऐसे में जनपद के 1367 विद्यालयों के 177717 बच्चों को अब नवंबर में ही स्वेटर मिलेगा। हालांकि शासन ने पहले 15 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक बच्चों को स्वेटर वितरित करने का निर्देश दिया था।

चार साइज का होगा मैरून रंग का स्वेटर : शासन की ओर से चार साइज में मैरून रंग का स्वेटर क्रय करने का निर्देश दिया गया है। कक्षा एक व दो के बच्चों के लिए एस साइज, कक्षा तीन व चार के लिए एम साइज, कक्षा पांच व छह के लिए एल साइज व कक्षा सात व आठ के लिए एक्सएल साइज का स्वेटर खरीदा जाना है।

अब ट्रेनों में नहीं जलेंगे चूल्हे

बेहतर इंतजाम

- 2020 से खत्म हो जाएगी पैंट्रीकार में भोजन पकाने की व्यवस्था
- बेस किचन के लिए वाराणसी जंक्शन में तलाशी जा रही जमीन

> कैंट स्टेशन पर बेस किचन बनाने की योजना है। रेल प्रशासन से भूमि की डिमांड की गई है।
>
> **- अश्विनी श्रीवास्तव**, मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक आइआरसीटीसी एनआर।

जागरण संवाददाता, वाराणसी : ट्रेनों के पेंट्रीकार में भोजन बनाने की परंपरा जल्द खत्म हो जाएगी। यात्रियों की जरूरतें पूरी करने को बड़े जंक्शनों पर बेस किचन बनाए जाएंगे। कैंट स्टेशन पर तीन हजार वर्गफीट जमीन तलाशी जा रही है। आगामी मार्च 2020 तक आइआरसीटीसी का बेस किचन जमीन पर उतर आएगा।

भोजन की गुणवत्ता में सुधार : ट्रेन में उपलब्ध भोजन पर यात्री आए दिन सवाल उठाते रहते हैं। संभवतः इसी के दृष्टिगत बदलाव की ओर कदम बढ़ाया गया है। आइआरसीटीसी के बेस किचन में बना भोजन दुरुस्त होगा।

तीन से पांच हजार पैकेट होंगे तैयार : कैंट स्टेशन पर प्रस्तावित बेस किचन से रोजना तीन से पांच हजार पैकेट भोजन तैयार किए जाएंगे। स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने से पूर्व ही पेंट्रीकार संचालक के ऑर्डर मुताबिक भोजन के पैकेट की डिलीवरी होगी।

पेंट्रीकार में सिर्फ गर्म होंगे भोजन : रेलवे बोर्ड के आदेश मुताबिक पेंट्रीकार में सिर्फ भोजन गर्म करने की व्यवस्था होगी। पेंट्रीकार में इंडक्शन चूल्हा रखा जाएगा। बेस किचन बनाने के लिए आइआरसीटीसी को मार्च तक का लक्ष्य दिया गया है।

गंगा किनारे की 44 पंचायतों से हरियाली हो गई गायब

जासं, वाराणसी : गंगा को स्वच्छ रखने, उसके किनारे एक किलोमीटर चौड़े में हरियाली करने के लिए वन विभाग ने बनारस में गंगा किनारे पड़ने वाले 44 ग्राम पंचायतों के 56 गांवों का चयन किया गया था। गंगा हरितिमा अभियान के तहत चयनित गांवों में ग्राम प्रधानों, समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से शासन ने पौधरोपण करने को कहा था। वन विभाग ने पहले खुद लोगों को पौधे खरीदकर लगाने को कहा, जब उन्होंने रुचि नहीं दिखाई तो फ्री में पौधे किसानों को उपलब्ध कराए लेकिन कितने पौधे लगे, कितने बचे और उनकी देखरेख हुई या नहीं यह विभागीय अधिकारियों तक को पता नहीं है। स्थिति यह है कि कई अफसरों यह तक मालूम नहीं है कि गंगा किनारे पौधरोपण के लिए अभियान भी चला था या नहीं, चला तो कितने पौधे लगे और किस हाल में हैं।

गंगा हरितिमा अभियान के तहत जलग्रहण क्षेत्र एवं गंगा नदी के दोनों तरफ एक किलोमीटर चौड़े में स्थित वन, सामुदायिक, सार्वजनिक एवं कृषि भूमि पर पौधरोपण होने थे। वन विभाग समेत संबंधित विभाग और समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से जनजागरूकता अभियान चलाया। साथ में लघु फिल्म, गंगा आरती, गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के माध्यम से लोगों को जागरूक किए गए। स्कूलों और कालेजों में कार्यशाला, गोष्ठी तथा कक्षाओं में बच्चों को गंगा के महत्व और हरियाली बचाने का संकल्प दिलाया गया।

इन ग्राम पंचायतों को किया था चयनित

काशी विद्यापीठ : भगवानपुर, डोमरी, नैपुराकला, रमना, सरायडंगरी, बेटावार, सीरगोर्वधन, सूजाबाद, तारापुर, टिकरी, छित्तूपुर, छितौनी कोटा, मूड़ादेव, माधोपुर।

चिरईगांव : लूठाकला, छितौनी, मिश्रपुरा, मुरीदपुर, सरसौल, तातेपुर, धराधर, अमौली, बर्थराकला, मोकलपुर, चांदपुर, छितौना, कमौली, कुकुड़ा, अंबा, मुस्तफाबाद, परानापुर, रमचंदीपुर, सरायमोहाना, सिरिस्ती, बभनपुरा, शिवदशा, सिंगवार, गोबरहा।

बादलों की लुकाछिपी के बीच बढ़ी ठंड

आकाश में छाए बादल ● जागरण

- अब तो किसी स्ट्रांग सिस्टम के बनने से बनेगी बात
- अभी कुछ और ऐसे ही धूप-बादल का चलता रहेगा खेल
- दिन में धूप, शाम को फिर से बादल 18 डिग्री के नीचे पहुंचा पारा

जासं, वाराणसी : लगातार आसमान में पूरी तरह काले बादल छाने के बाद तीसरे दिन रविवार की सुबह भगवान सूर्य के दर्शन हुए। हालांकि शाम से फिर आसमान में बादल छाने लगे। वहीं मौसम के बदलाव के बाद अधिकतम तापमान ने फिर से करीब तीन डिग्री छलांग लगाई, जबकि न्यूनतम पारे ने एक डिग्री गोता का लगा लिया

। वहीं रात में ठंडी बढ़ गई है। कभी धूप तो कभी बादल की स्थिति पर मौसम विज्ञानी भी इसको लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। पूरे सप्ताह तापमान में जारी उठा-पटक रहा। शुक्रवार व शनिवार को एक पल के लिए भी धूप नहीं खिली। हालांकि रविवार को भगवान रवि के दर्शन हो गए। इसके कारण लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन शाम बादल ने फिर से धड़कनें बढ़ा दी। मौसम विज्ञानी प्रो. एसएन पांडेय ने बताया कि सतह से करीब दो किलोमीटर तक अभी पुरुवा हवा और ऊपर पछुआ हवा चल रही है। इसके कारण मौसम में बदलाव हो रहा है। बताया कि जब तक बारिश या एकतरफा पछुआ हवा नहीं चलेगी तब तक मौसम ऐसे ही बना रहेगा। एक भी अगर स्ट्रांग सिस्टम बना तो सुधार हो सकता है।

कुछ यूं रहा पारे का उतार-चढ़ाव

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
रविवार	29.0	18.5
शनिवार	26.2	19.1
शुक्रवार	25.6	19.4
गुरुवार	30.2	19.6
बुधवार	26.6	20.6

विद्यापीठ में प्राइवेट फॉर्म भरने का अब भी है मौका

जागरण संवाददाता, वाराणसी : महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म 14 अक्टूबर से ही ऑनलाइन भरा जा रहा है। स्नातकोत्तर में संस्थागत व प्राइवेट परीक्षा फॉर्म भी चार नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वहीं चार से नौ नवंबर तक 500 रुपये विलंब शुल्क व दस से 14 नवंबर तक 1000 रुपये विलंब शुल्क के साथ तक भरे जा सकते हैं।

वाराणसी सहित पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों के अलावा बिहार के छात्रों को विद्यापीठ के प्राइवेट परीक्षा फॉर्म का इंतजार रहता है। ऐसे में अब इन परीक्षार्थियों के पास व्यक्तिगत फॉर्म भरने के लिए महज आठ दिन का मौका रह गया है। परीक्षा नियंत्रक डा. कुलदीप सिंह के मुताबिक एमए, एमकॉम, एमएससी, एमएफए, एमम्यूज, एमएड, एमपीएड, बीएड, बीपीएड व एलएलएम प्रथम व तृतीय सेमेस्टर तथा बीएससी (टेक्सटाइल एंड हैंडलूम साइंस), बीसीए, बीबीए, एलएलबी, एमसीए प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर व पीजीडीसीए, बीएससी (कृषि), बीलिब, एमलिब प्रथम सेमेस्टर के परीक्षार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। संस्थागत व व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के साथ बैक, अंक सुधार व श्रेणी सुधार का भी आवेदन वेबसाइट पर अपलोड है।

व्यापारी के रहमोकरम पर जिंदा हैं वन्यजीव

जासं,वाराणसी: सारनाथ स्थित पक्षी विहार के वन्य जीव 11 माह से व्यापारी के रहमोकरम पर जिंदा हैं। वहीं इनके उपचार के लिए एक वन कर्मी पैसे खर्च करता है। वन्यजीवों पर प्रतिमाह 2 लाख रुपये खर्च होते हैं।

मिनी जू में 109 चीतल, काले हिरन आठ, ऑस्ट्रेलिया का काका टिल, गोल्डन फिजेंट, बजरी, घड़ियाल दो, मगरमच्छ तीन व जलचर पक्षी हैं। इनके खानपान व चिकित्सा की व्यवस्था वन विभाग की है। पर्यटकों से प्रतिदिन लगभग 18 हजार रुपया राजस्व प्राप्त होता है। इसके बाद भी यहां के वन्य जीव गत दिसंबर से उधार का दाना खाने पर मजबूर हैं। वन्यजीवों व पक्षियों के लिए आने वाले दाने व जलचर के लिए मछलियों की गुणवत्ता भी भगवान भरोसे है। कभी-कभी तो जलचर पक्षियों को तो दुर्गंधयुक्त मृत मछली खाने को दी जाती है। पक्षी उसे खाने के बजाय दूर जा कर बैठ जाते हैं। उन्हें शाम के समय केवल हरी पत्तियां तोड़ कर दी जाती हैं। वन्य जीवों के उपचार व दवा का खर्च एक वन दारोगा वहन करते हैं। गतवर्ष वन्य जीवों का खाद्यान्न, चिकित्सक विजिट, दवा का लगभग 35 लाख का प्रस्ताव बना कर मुख्य वन संरक्षक मुख्यालय लखनऊ भेजा है। वन क्षेत्राधिकारी एके उपाध्याय ने बताया कि खाद्यान्न, चिकित्सक विजिट, दवा का प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय भेजा गया है।